केवल मेडिकल व्यवसायियों के लिए

PHARMA NEWS

Editor- Brejesh Kumar Garg | www.medicaldarpan.com | Monthly News Paper

B.N. Medical Complex, Bulandshahr (U.P.) Postal Reg. No. BSR 37/2024-2026 RNI UPBIL/2007/27885

Year 17 | Issue 09 | DOP 10 May 2024 | Pages 08 | ₹ 10/- Copy | ✆ 09410434811, medicaldarpan.ctp@gmail.com

MEDIVISION PLATINUM SOFTWARE FOR PHARMA BUSINESS

- Specially made separate software for pharma retail & wholesale business
- Trusted by 35000+ users
- Serving pharma industry for more than 25 years
- Mobile apps for retailers & wholesalers
- Integrated remote access from anywhere, anytime - without VPN or other third party tools, services, maintenance
- Automatic program updates with a button click
- No separate database license required, avoid using pirated database, save on database license cost
- Simplest and instant financial year closing
- Superb speed and excellent performance
- Extremely user friendly
- Many keyboard shortcuts, no mouse required, improve working speed
- Drill down from any report up to the voucher
- Smart product/customer selection for faster operation
- Accurate accounting upto finalisation
- Efficiently manage inventory, cut losses, improve ROI
- Export any report to excel or PDF
- Directly email any report
- Fine grained user permissions
- User actions audit & reporting
- Multi-window user interface
- GST features/reports including E-way, E-invoice

ALLIED SOFTECH — Your Trusted Business Manager

BOOK FREE DEMO | www.alliedsoftech.com | +917770004720

Our General Divisions: MERRIL | MESTRA | STERILE GENETICS

For any query :- 9719839944 (Call & SMS)

We have more than 2000 Products in our Successfully Running Company.

New Molecules available
Natural Progesterone 200/300/100 mg Tab.
Rifaximine 200/400/550 & Metronidazole 400 mg Tab.
Sultamycillin 375 mg Tab.
Dydrogesterone Tablets IP 10 mg

Emocare	Nuecad (Cardiac-Diabetic division)	Womana (Gyne-infertility division)	Beaukin (A Derma Division of Merril Pharma)
Piraciti-Plus	Metolip-ER 25/50 (Metoprolol Tartrate 25/50 (ER))	Gensure-Sachet (L-Arginine 3gm + Proanthocyanidin 75 mg)	Antihist-D (Desloratadine 10 mg)
Velpy-200/300/500 (Sodium Valporate With Valporic Acid)	Nuepido-AS (Clopidogrel 75 mg +Aspirin 75 mg)	Gensure-LC	Tacroril (Tacrolimus Cream 0.03)
Emofexine Tab. (Desvenlafaxine 50mg ER)	Nuepido-Plus (Clopidogrel 75 mg +Aspirin 150 mg)	NMPC-softgel/SR tab/ Inj.	Candigel (Luliconazole 1.0% w/w)
Emofexine Plus -50 (Desvenlafaxine 50 mg + Clonazepam 0.5 mg)	Tenzex-M (Teneligliptin 20mg + Metformin Hydrochloride 500mg)	Gensure-F	Eberil (Eberconazole 30 mg)

Registered Office :-A-401/402, Empire Business Hub, Science City Road, Ahmedabad-380060 (Gujarat)-India,
Email : order@mestrapharma.com, Website : www.mestrapharma.com

BADRIVAS BIOTECH PVT. LTD.
Khasra No. 10 & 11 Village. Makkhanpur Bhagwanpur Roorkee-247661, Dist. Haridwar (Uttarakhand)

New | NRx | Neutraceutical, Cosmetic | Diabetic | Cardiac | Beta-lactum | Neuro | Psychiatric

Contact For Export, Manufacturing & Franchise

Approved Section

Tablets | Capsules | Liquid | Ointment | Nutraceuticals

We have more than 5500 Approved Molecules

Welcome for small batches, Third Party Manufacturing, PCD & Export facility available.

Contact No. :- +91 72538 01212 , +91 72538 11212, +91 92580 45068
Email :- badrivasindia@gmail.com | www.badrivasbiotech.com

एंटी वेनम दवा अस्पतालों में उपलब्ध कराए सरकार : HC

रांची: एंटी वेनम दवा सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रो में उपलब्ध कराने के सरकार को आदेश दिए गए हैं। झारखंड हाइकोर्ट ने पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर की स्थिति को लेकर स्वत: संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका पर सुनवाई की। जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय व जस्टिस दीपक रोशन की खंडपीठ ने राज्य सरकार का पक्ष सुनने के बाद जवाब पर असंतुष्टि जताई। हाईकोर्ट ने मौखिक रूप से कहा कि राज्य सरकार के जवाब से स्पष्ट होता है कि अस्पतालों में सांप काटने से बचाव करने की दवा की कमी है। मानसून आनेवाला है। मानसून के दौरान ही राज्य में सांप काटने की काफी घटनाएं होती हैं।

Contract Research manufacturer
In Quality and state of Art sections of-

AYURVEDIC AYUSH MARK PRODUCTS: TABLET | CAPSULES | OIL | BHASMA | SYRUP

COSMECEUTICALS: SERUM | PSORIASIS | VITILIGO | SKIN CARE | HAIR CARE

ALLOPATHIC: TABLET | CAPSULE | OINTMENT

NUTRACEUTICALS

Rajani Healthcare Products
Office Address: Purva Complex, Sadashiv Peth Pune 411 030, Maharashtra India
Plant: E-18/1, Jejuri MIDC Tel: Purander Dist: Pune Maharashtra India 412 303, www.rajanipharma.com

pharma789@gmail.com, export.rhcp@gmail.com, info@rajanipharma.com, business@rajanipharma.com
+91 20 24471007 +91 20 24473132 +91 9823096996 +91 8793340533 +91 9168316618 +91 9604639665

PCD / FRANCHISEE

V & U Pharmaceuticals — Quality Service Reliability

Where Quality is the Core

All Products of V & U Pharmaceuticals are manufactured under stringent quality control in approved manufacturing facilities.

A NAME SYNONYMOUS TO QUALITY & TRUST
INVITING PROPOSAL FOR FRANCHISEE ACROSS COUNTRY

1. One of the best quality products and packaging.
2. Attractive Pricing.
3. Comprehensive & expanding produt basket
4. Expert Marketing Support/ Print Inputs.
5. Attractive Bonanza

TABLETS/CAPSULES | SYRUPS/LIQUIDS | RESPULES/ROTACAPS | DEVICES/CREAMS

V & U PHARMACEUTICALS
Contact: 7017051435/9999355975
H-1.39N, RIICO Industrial Area, Khushkhera, Bhiwadi, Distt:Alwar, Rajasthan 301707
sales@vnupharmaceuticals.com; vnupharmaceuticals@gmail.com
www.vnupharmaceuticals.com

samples of these companies were found infected during investigation

Apple Formulation Pvt. Ltd.
Plot no. 208. Kishanpur, Roorkee-247667(UK)

Habitare Pharma Pvt. Ltd.
Plot No-43-44, Industrial Estate HSIIDC Alipur, Barwala Dist-Panchkula(HR) 134118

Swiss Biotech Parentrals.
Kewat No. 1138, VPO- Kachhwa, Karnal-132001(Haryana)

Bajaj Formulation.
Khasra No. 161, Village Lakeshwary, Bhagwanpur, Roorkee, Distt. Haridwar (U.K)

Navkar Lifesciences.
Plot no. 76. Lodhi Majra, Industrial Area, Baddi, Distt, Solan(H.P)

SYMBIOSIS HEALTHCARE.
Commitment for Quality Suketi Road, kala Amb- 173030 (H.P)

M/s Caremediqa Life Sciences.
77/7, Industrial Area, Dehradun, Uttarakhand-248110

We Welcome Your Inquiries for 3rd Party Manufacturing

Committed to Create Miracles
MIRACLE LIFE SCIENCES
GMP | GLP | FDA APPROVED

Best quality of efficiency Product we directly approved by WHO GMP
With the Wide Range of :

Tablets | Capsules | Liquids | Dry Syrup | Dry-Inj.
Drops | MEDICATED SOAP | Syrup | Ointments | Veterinary Bolus
Beta & Non-Beta | Ophthalmic Drops | Veterinary Inj.

Excellent Packing Like Alu-Alu, Blister & Strip Packing

Brand Promotional Input Like......
Visual aid | Sample Catch covers | Visiting Cards
Product Literature | MR Bags | DCR Pad | Gifts

Trade Enquiries are Welcome for Third Party MFG. / PCD Franchises Distribution on Monopoly basis in PAN India.

M. +91 9897039922, 9897939961, 7037039923

MIRACLE LIFE SCIENCES
(Behind Patanjali Yog Peeth) 148, Village : Bahadarpur Saini, Post: Daulatpur Bahadrabad-249 405, Haridwar (U.K.)
Email : miracle.patel@gmail.com Web: www.miraclelifesciences.in

समय रहते बीमारी का पता चलना बेहद जरूरी

मुजफ्फरनगर: न्यूरो सिटी हॉस्पिटल की ओर से आर सोशल वेलफेयर ट्रस्ट एवं वीरेंद्र वर्मा विचार मंच के सहयोग से मुश्ताक मंजिल, आर.के. टेलर्स मेन रोड खालापार में नि:शुल्क परामर्श कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुभाष चौहान नामित सदस्य स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि मौजूदा समय में तरह-तरह की गम्भीर बीमारियां चल रही हैं, जिसके लिये समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाना आवश्यक है, लेकिन गरीब व्यक्ति स्वास्थ्य का परीक्षण नहीं करा पता, जिसके लिये चिकित्सकों एवं संस्थाओं को आगे आना होगा।

मिली जानकारी के अनुसार न्यूरो सिटी हॉस्पिटल की ओर से आर सोशल वेलफेयर ट्रस्ट एवं वीरेंद्र वर्मा विचार मंच के सहयोग से मुश्ताक मंजिल, आर.के. टेलर्स मेन रोड खालापार में नि:शुल्क परामर्श कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में आए हुए मरीजों को न्यूरो सिटी हॉस्पिटल से आई नवजात एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. निधि मलिक एम.बी.बी.एस. एम.डी. पीडियाट्रिक्स व न्यूरो सृजन डॉक्टर अश्वमेध सिंह बालियान एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी. एच. न्यूरोसर्जरी, बी.एच.यू., एंडोस्कोपिक स्पाइन एण्ड ब्रेन सर्जन ने निशुल्क परामर्श दिया और बाल रोग व न्यूरो स्पाइन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। सुभाष चौहान नामित सदस्य स्वास्थ्य विभाग ने फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम आयोजक उमादत्त शर्मा वीरेंद्र वर्मा विचार मंच व हाजी सरफराज चेयरमेन आर.के. ट्रस्ट की सुभाष चौहान ने प्रशंसा करते हुए कहा कि लगातार शर्मा और हाजी अपनी संस्थाओं के माध्यम से इस तरह के कार्यक्रम आयोजित कराते रहते हैं, जो समाज के लिये बेहद जरूरी और मानव स्वास्थ्य के लिये लाभकारी हैं, क्योंकि मौजूदा समय में तरह-तरह की गम्भीर बीमारिया पनप रही हैं, जिसके लिये गरीब व्यक्ति अपने स्वास्थ्य का परीक्षण नहीं करा पाते, ऐसे में चिकित्सकों एवं सामाजिक संस्थाओं का उत्तरदायित्व है कि वे आगे आयें और इस तरह के सराहनीय कार्य करें।

उन्होंने कहा कि मैं आभार व्यक्त करता हूं न्यूरो सिटी हॉस्पिटल से आए हुए समस्त चिकित्सकों एवं कार्यक्रम आयोजकों का, जिन्होंने इस तरह का कार्यक्रम आयोजित कर जनता तक नि:शुल्क इसका लाभ पहुंचाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि अन्य सामाजिक संस्थाओं को बढ़-चढ़कर इस तरह के सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेना चाहिए। इस मौके पर मुख्य रूप से अतिथियों के रूप में सचिन त्यागी वरिष्ठ समा. जसेवी, नेहा अरोड़ा देवोपम किड्स गार्डन स्कूल, आशुतोष शर्मा किड्जी स्कूल प्रेमपुरी, लोकेश चौहान यूनिक कोचिंग सेंटर, सतीश तायल, तायल मेडिकोज आदि मौजूद रहे। भारी संख्या में क्षेत्रवासियों ने नि:शुल्क परामर्श लेकर कैंप का लाभ उठाया। आर सोशल वेलफेयर ट्रस्ट एवं वीरेंद्र वर्मा विचार मंच के सहयोग से मुश्ताक मंजिल, आर.के. टेलर्स मेन रोड खालापार में नि:शुल्क परामर्श कैंप का आयोजन किया गया। इस मौके पर आर के ट्रस्ट व वीरेंद्र वर्मा विचार मंच से जुड़े सभी लोग और न्यूरो सिटी हॉस्पिटल से आए डॉक्टर्स व उनकी पूरी आदि टीम मौजूद रहे।

Satish Tayal.
mob. 9760007069

झोलाछाप डॉक्टरों के क्लीनिकों पर प्रशासन की कार्रवाई

हल्द्वानी: उत्तराखंड के नैनीताल जिले में प्रशासन और स्वास्थ्य महकमे ने बड़ी कार्रवाई की है। संयुक्त टीम ने लालकुआं क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित हो रहे चिकित्सकों के क्लीनिकों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की और झोलाछाप चिकित्सकों के क्लीनिकों को सील किया गया। साथ ही कईयों के चालान किए गए। इस कार्यवाही से हड़कंप मचा रहा। अवैध रूप से संचालित हो रहे क्लीनिकों पर अंकुश लगाने के लिए तहसीलदार लालकुआं मनीषा बिष्ट और अपर मुख्य चिकित्साधिकारी नैनीताल डॉ रजत भट्ट के संयुक्त नेतृत्व में चिकित्सकों व राजस्व कर्मचारियों की टीम ने सबसे पहले हल्दूचौड़ क्षेत्र में छापा मारा।

यहां मुख्य बाजार हल्दूचौड़ स्थित डीके क्लीनिक में संचालक धर्मवीर सिंह के पास नेचरोपैथी योगा की डिग्री तो थी, लेकिन वह इसकी आड़ में उनके द्वारा मिनी मेडिकल स्टोर चला रहा था। साथ ही वहां भारी मात्रा में इंजेक्शन एवं दवाएं बेची जा रही थी। टीम ने क्लीनिक को सीज कर संचालक का 10 हजार का चालान किया और तीन दिन के भीतर कार्यालय में प्रपत्रों के साथ पहुंचने के निर्देश दिए। इसके बाद उक्त टीम हल्दुचौड़ के ही कमलेश मेडिकल स्टोर में पहुंची। इसके संचालक अमर सिंह रोगियों का उपचार कर रहे थे। इस क्लीनिक में जिसके नाम का मेडिकल रजिस्ट्रेशन था, वह भी मेडिकल में अनुपस्थित मिला। टीम ने संचालक का 10 हजार का चालान करते हुए इस क्लिनिक को भी सीज कर दिया। इसके बाद मंडल क्लीनिक हल्दूचौड़ जग्गी में टीम द्वारा छापेमारी की गई। इसके संचालक के पास नेचुरोपैथी की डिग्री थी, परंतु क्लीनिक में दवा इंजेक्शन के साथ-साथ भारी मात्रा में प्रयोग किए गए सिरिंज भी बरामद हुए। यहां भी चालान की कार्रवाई करते हुए संचालक को तीन दिन के भीतर सीएमओ कार्यालय पहुंचने के निर्देश दिए गए। साथ ही क्लिनिक सीज कर दिया गया। लालकुआं पर उन्होंने गौला रोड स्थित आर रस्तोगी डेंटल क्लीनिक में छापेमारी की, और रिंकू रस्तोगी के पास कोई भी वैध डिग्री नहीं पाई गई, एलोपैथिक मेडिसिन एवं शून्न करने के इंजेक्शन भी मौके में बरामद हुए, छापा मार दल ने संचालक पर 10 हजार का चालान करते हुए क्लीनिक सीज कर दिया। उक्त टीम ने मुख्य बाजार स्थित ओम क्लिनिक में भी छापेमारी करते हुए संचालक को तीन दिन के भीतर सीएमओ कार्यालय में प्रपत्र के साथ पहुंचने के निर्देश दिए। टीम में तहसीलदार मनीषा बिष्ट, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ रजत भट्ट, वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ राहुल लशपाल, लालकुआं के चिकित्साधिकारी डॉ लव पांडे और डॉ केएम गुप्ता सहित भारी संख्या में राजस्व कर्मी मौजूद थे।

Noor Mohammad, mob. 9456269821

"यदि किसी का स्वभाव अच्छा है तो उसे किसी और गुण की क्या जरूरत है? यदि आदमी के पास प्रसिद्धि है तो भला उसे और किसी श्रृंगार की क्या आवश्यकता है?" -चाणक्य

स्वास्थ्य विभाग की रेड, चार मेडिकल स्टोर व क्लिनिक सीज

हल्द्वानी: स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छापामारी कर चार मेडिकल स्टोर व क्लीनिकों को सील किया है। लालकुआं व आसपास के क्षेत्रों में फर्जी तरीके से चल रहे मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक के खिलाफ जिलाधिकारी वंदना के निर्देश पर कार्रवाई की गई। स्वास्थ्य एवं तहसील विभाग की संयुक्त टीम ने आधा दर्जन के करीब मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक में छापामारी की। इन पर कई अनियमितताएं पाई गई। इसके तहत हल्दूचौड़ के डीके क्लिनिक, कमलेश मेडिकल स्टोर, और हल्दूचौड़ जग्गी के ही मंडल क्लिनिक को सीज कर दिया गया। इनके संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी को रिपोर्ट भेज दी गई है।

टीम को लालकुआं के रस्तोगी डेंटल क्लीनिक में भी भारी अनियमिताएं मिली। डेंटल क्लीनिक को बिना किसी डिग्री के संचालित किया जा रहा था। उसे भी सीज कर दिया गया है। लालकुआं तहसील गेट के सामने ओमकार क्लीनिक में भी अनियमितताएं मिलने पर स्पष्टीकरण मांगा गया है। स्वास्थ्य विभाग की छापेमार कार्रवाई के दौरान झोलाछापों में हडकंप मचा रहा। अनेक झोलाछाप क्लीनिक संचालक शटर गिराकर चले गए।

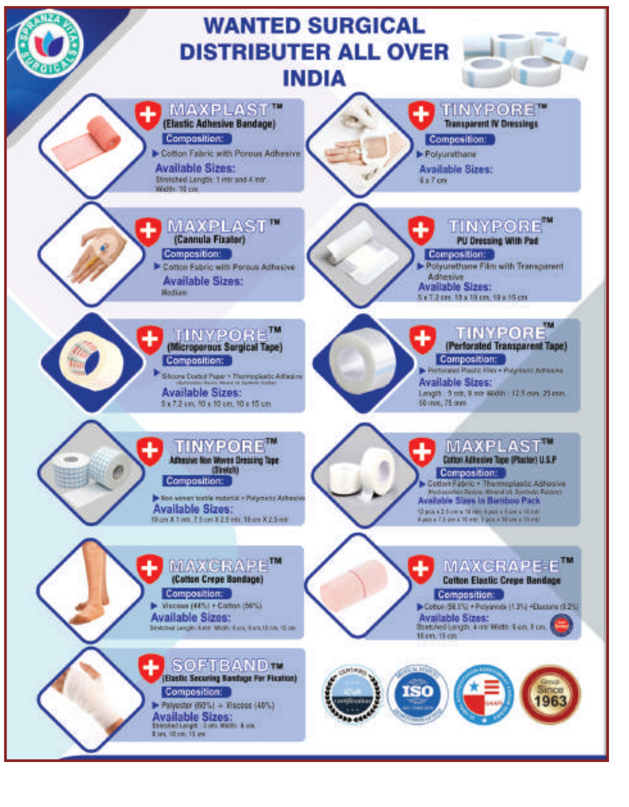

Biounity Pharma
THIRD PARTY MANUFACTURING SERVICE
Committed to Healthcare through Innovation & Quality
WE OFFER
MORE THAN 1000 PRODUCTS
EXCEPTIONAL PROFIT MARGIN
PROMPT / TIMELY DELIVERY
COMPLETE MONOPOLY RIGHTS
EXCLUSIVE PROMOTIONAL MATERIAL
ATTRACTIVE PACKING
Wide Therapeutic Range
CONTACT FOR BEST RATE IN THIRD PARTY MANUFACTURING
8449549885
8476946001
po.pharmabiounity@gmail.com
mkt.biounitypharma@gmail.com
Orthopadic, Gynecare, Gastroenterology
Anti-Infective, Urology Care, Anti-Allergic
Cardiovascular, Anti-Diabetic, Cough & Cold
Bronchodilator, Paediatric, Respiratory
Injectables, Neuropsychiatry, Nutritional Supplements
OTC Products, Derma Care, Eye/Ear/Nasal Drops

क्षणिकाएं

1. अच्छा व्यवहार, लोकप्रियता लाएगी। बुरा व्यवहार, अकेला कर जाएगी।
2. गति पर, नियंत्रण चाहिए। वरना, हड्डिया तुड़वाईए।
3. बढ़ती आयु में, दुखी मत हो पाओ। सामंजस्य बिठाओ, सब में घुल मिल जाओ।
4. पूरे परिवार ने, साथ में खाना खाया। भोजन का स्वाद, अलग निखर पाया।
5. व्यवहार में, नम्रता लाओगे। निश्चित ही, खुशियां पाओगे।
6. बदलते समय के साथ, आप भी बदल पाइये। पर कुछ भी हो जाये, संस्कारों को भूल न जाइये।

27, ललितपुर कॉलोनी, डॉ. पी. एन. लाहा मार्ग लश्कर, ग्वालियर (म०प्र०) मो० न० : 9826611169

OUR USP
"PIC/S" approved "State of Art Facilities"
A WHO-GMP Certified company with operations in more than 62 countries
Top most clients of Indian pharmaceuticals companies
500+ Products with pan India operations
"Bulk stock available"
And Many More...
Saving Life Beyond Excellence
Highest production capacity of respules in India
Our Products Segment :
LVP - Large Volume Parenterals
SVP - Small Volume Parenterals
Eye drop manufacturing in FFS technology & three pieces
Nebuliser Suspension/Solution manufacturing in FFS technology
Upcoming facilities
Ampoules & Vial
Dry Powder Injections
For any information, please feel free to contact us :
AXA PARENTERALS LTD.
7 KM Milestone, Roorkee - Chandigarh Highway, Puhana Chowk, Roorkee, Haridwar, Uttarakhand, INDIA
+91 9997574343 / 9997502111
Follow us : axaparr axapar LtdAxa Axa Parenterals Ltd axapar.com
dgm@axapar.com
www.axaparenterals.com

"Excellence In Healthcare Everyday"
DEUS LABORATORIES PVT. LTD.
Deus Laboratories Pvt. Ltd
A wide range of speciality products in Third Party Manufacturing, PCD Franchises, Generic & OTC including Tablets, Capsules, Liquids, Ointments, Dry Syrups, Lotions & Neutraceutical Products.
Requires:
* Financially sound parties for state wise monopoly rights.
* Sales Promotional Managers state wise.
DEUS LABORATORIES PVT. LTD.
Manufacturing Unit: Khasra No. 26 kA Shiv Ganga Industrial Estate Village. Lakeshwari, Bhagwanpur Roorkee District. Haridwar Uttrakhand 247661
Corporate Office: 2nd Floor SLV Tower Kanwali Road, Near Balliwala Chowk Dehradun Uttrakhand 248001
Contact Details: Head Office: 7773006620 Sales: 8006077773 Production:8006077772 Designing: 7060028254 Customer Care: +91 135 314 4200 Mail: deuslaboratories@gmail.com

केयर हॉस्पिटल ने पाचन रोग और यकृत प्रत्यारोपण संस्थान का उद्घाटन किया

हैदराबाद: ग्रीन फील्ड विस्तार के लिए आगे बढ़ते हुए केयर हॉस्पिटल्स ने अपने हैदराबाद स्थित अस्पताल में पाचन रोग और लीवर प्रत्यारोपण संस्थान खोला है । इसके साथ ही अस्पताल समूह ने पूरे भारत में छह लीवर प्रत्यारोपण केंद्र स्थापित किए हैं। यह संस्थान लीवर, जठरांत्र और अग्नाशय की बीमारियों के लिए अत्यंत सटीकता के साथ व्यापक देखभाल प्रदान करेगा, जिससे रोगियों के लिए सर्वोत्तम संभव परिणाम होंगे। उद्घाटन समारोह में केयर इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष और गैर–कार्यकारी निदेशक डॉ. के. हरि प्रसाद ने कहा, उन्नत चिकित्सा प्रौद्योगिकी और दयालु रोगी देखभाल का यह निर्बाध एकीकरण सर्जरी और पश्चात की देखभाल के माध्यम से प्री–ऑपरेटिव प्रबंधन से बेहतर रोगी अनुभव सुनिश्चित करता है, जिससे वयस्क और बाल चिकित्सा लीवर प्रत्यारोपण दोनों के लिए उत्कृष्ट रिकवरी दर प्राप्त होती है।

केकेआर अपैक्स से 7000 करोड़ रुपये में हेल्थियम मेडटेक खरीदेगी

नई दिल्ली: केकेआर अपने मौजूदा पीई मालि. कों अपैक्स पार्टनर्स से 7000 करोड़ रुपये (+ 840 मिलियन) उद्यम मूल्य पर हेल्थियम मेडटेक (पूर्व में स्यूचर इंडिया) का अधिग्रहण करने के लिए पूरी तरह तैयार है। एक कड़े मुकाबले के बाद जिसमें मैनकाइंड फार्मा का एक संघ भी शामिल था – क्रिसकैपिटल और नोवो होल्डिंग्स, डेनिश दवा प्रमुख नोवो नॉर्डिस्क के नियंत्रक शेयरधारक, लोगों ने कहा। केकेआर और अपैक्स ने बेंगलुरु स्थित हेल्थियम मेडटेक के अधिग्रहण के लिए बाध्यकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और औपचारिक घोषणा करने की संभावना है, ऊपर वर्णित लोगों ने कहा। हेल्थियम वैश्विक स्तर पर मात्रा के हिसाब से सर्जिकल सुइयों का सबसे बड़ा निर्माता है। मनीकंट्रोल सबसे पहले रिपोर्ट की थी कि केकेआर हेल्थियम के लिए सबसे अधिक बोली लगाने वाला था। सूत्रों ने बताया कि एक अन्य दावेदार मैनकाइंड–क्रिसकैपिटल ने 6500 करोड़ रुपये (780 मिलियन डॉलर) की कीमत की पेशकश की है। अपैक्स के पास कंपनी का 99.8 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि शेष 0.2 प्रतिशत हेल्थियम मेडटेक के सीईओ और एमडी अनीश बाफना के पास है। हेल्थियम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सर्जिकल सिवनी निर्माता कंपनी है, जिसकी भारत में लगभग 18 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। बाफना केकेआर के तहत कंपनी चलाना जारी रखेंगे। संपर्क करने पर केकेआर के प्रवक्ता अपैक्स पार्टनर्स ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। इससे पहले 2022 में हेल्थियम मेडटेक ने अपनी यूके स्थित सहायक कंपनी को अज्ञात राशि में केकेआर को बेच दिया था। इसने वॉटफोर्ड स्थित क्लिनसप्लाईज को केकेआर हेल्थ केयर स्ट्रैटेजिक ग्रोथ फंड II को बेच दिया था।

सुचर्स इंडिया की स्थापना मूल रूप से 1992 में बेंगलुरु में एलजी चंद्रशेखर और एस सुब्रमण्यम द्वारा की गई थी, जो स्मिथ एंड नेफ्यू और जॉनसन एंड जॉनसन के पूर्व अधिकारी थे। वित्त वर्ष 24 में, कंपनी ने 820 करोड़ रुपये का राजस्व और 256 करोड़ रुपये का एबिटा पोस्ट किया। इस वित्तीय वर्ष में, राजस्व 1,020 करोड़ रुपये तक पहुँचने की उम्मीद है, जबकि एबिटा लगभग 350 करोड़ रुपये है। तब यह लेन–देन चालू वित्त वर्ष 25 के मौजूदा एबिटडा गुणक के 20 गुना पर किया जा रहा है। जॉनसन एंड जॉनसन की एथिकॉन इंक वर्तमान बाजार की अग्रणी कंपनी है। वैश्विक सर्जिकल टांके बाजार में अर्थ्रेक्स इंक और कोविडियन होल्डिंग इंक कुछ अन्य खिलाड़ी हैं।

इस साल की शुरूआत में, अपैक्स ने निवेश बैंक जेफरीज को कंपनी के प्रस्तावित सौदे के लिए औपचारिक बिक्री प्रक्रिया शुरू की थी। पार्टनर्स ग्रुप, हिलहाउस, टीए एसोसिएट्स, कार्लाइल और कनाडाई पेंशन फंड सहित दो दर्जन फंडों ने गैर–प्रकटीकरण समझौतों पर हस्ताक्षर करने के बाद सूचना ज्ञापन उठाया था, अंतत: केवल तीन ने बाध्यकारी बोलियां प्रस्तुत कीं पिछले कुछ वर्षों में, इनवसेन्ट के नेतृत्व वाली इंडिया लाइफ साइंसेज, सीएक्स पार्टनर्स और टीपीजी ग्रोथ सहित कई पीई निवेशकों ने कंपनी का समर्थन किया है जब तक कि टीपीजी ग्रोथ ने 73 प्रतिशत नियंत्रित हिस्सेदारी नहीं ले ली। 2018 में, अपैक्स पार्टनर्स ने टीपीजी ग्रोथ, सीएक्स पार्टनर्स और संस्थापक शेयरधारकों को लगभग 1,950 करोड़ रुपये (+ 300 मिलियन) में खरीद लिया दावा किया जाता है कि हेल्थियम उत्पादों ने 18,000 अस्पतालों में 40,000 से अधिक सर्जनों को कवर किया है।

कर्म ही पूजा है

1st time in Bharat
6 in 1 Customizable ERP
Trusted by 90000 + of users across GLOBE
Finance
Sales Force Automation
Supply Chain Management
HR-Payroll
Manufacturing Module
E-commerce
CBO Central Business Online
The Perfect Way of Customization
CBO ERP Limited
An ISO 27001:2013 Company
We have1300+ Satisfied Companies
Our presence is in more than 10 countries
+91-9891886164
info@cboerp.com
www.cboerp.com

होमियोपैथिक की 41 कार्टन दवाइयां जब्त, बिना लाइसेंस के कंपनी बना रही थी दवा

रांची: होमियोपैथिक दवा बिना लाइसेंस के बनाने वाली कंपनी का पर्दाफाश किया गया है। मौके से अवैध दवाइयों के 41 कार्टन बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई रांची के औषधि नियंत्रक विभाग की टीम ने टिलटांड़ गोविंद नगर में की। छापामारी टीम में ड्रग इंस्पेक्टर प्रतिभा झा, मो. नसीम, पुतली बिलोंग, आलोक कुमार, अमित कुमार शामिल रहे। औषधि नियंत्रण विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि एक दवा कंपनी बिना लाइसेंस के दवा का निर्माण कर इसे बाजार में बेच रही है। सूचना के आधार पर ड्रग इंस्पेक्टर की टीम बनाकर मौके पर छापेमारी की गई। टीम ने मौके से करीब 41 कार्टन निर्मित दवा, दवा बनाने में इस्तेमाल होने वाली खाली बोतल, लेवल्स, कैप्स और दवाओं को सील करने वाली मशीन जब्त की। औषधि निदेशालय में संयुक्त निदेशक सुजीत कुमार के अनुसार बरामद दवाओं की गुणवत्ता जांचने के लिए आठ सैंपल लिए गए हैं। इन्हें लैब में भेजा जाएगा। मामले में ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट की विभिन्न धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि बिना लाइसेंस के दवा निर्माण करने पर कम से कम पांच साल की सजा का प्रावधान है। ड्रग इंस्पेक्टर ने बताया कि जितेंद्र कुमार यादव नाम का व्यक्ति होमियोपैथी दवा बनाता था। वर्ष 2021 में उसका दवा निर्माण कंपनी का लाइसेंस रद्द हो गया था। इसके बाद भी वह दवा बनाा और बिक्री करता रहा।

ड्रग रैकेट का भंडाफोड़, 170 किलो कफ सिरप व 32000 टेबलेट जब्त

मुंबई: ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ करने में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की मुंबई विंग को सफलता मिली है। टीम ने मौके से 160 किलोग्राम से अधिक कफ सिरप और प्रति. बंधित नशीली दवाओं की 32000 से अधिक टेबलेट्स जब्त की हैं। इस ऑपरेशन में एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया गया है। एनसीबी के अनुसार गुप्त सूचना मिलने पर ऑपरेशन शुरू किया गया था। इसके तहत शुरुआत में पनवेल में एक गोदाम से 12,400 अल्प्राजोलम और 169.7 किलोग्राम कोडीन सिरप जब्त किया गया था। तलाशी के दौरान एनसीबी अधिकारियों ने ठाणे के मुंब्रा में एक घर से अतिरिक्त 9,600 अल्प्राजोलम और 10,380 नाइट्राजेपम गोलियां भी जब्त कीं। अधिकारियों का मानना है कि नशीली दवाओं को अंतर्देशीय पार्सल के माध्यम से अन्य राज्यों से अवैध रूप से मंगाया गया था। एनसीबी को एक गुप्त सूचना मिली थी कि ठाणे स्थित एक गिरोह कथित तौर पर अवैध रूप से इस्तेमाल की जाने वाली फार्मास्युटिकल दवाओं की खरीद और बिक्री कर रहा है। जानकारी के लिए खुफिया नेटवर्क को सतर्क कर एक कुरियर लाइन की पहचान की गई। इसका नशीली दवाओं की सप्लाई के लिए दुरुपयोग किया जा रहा था। टीम को पता चला कि टीएम शफी नामक व्यक्ति नशीली दवाओं की खेप का काम करता है। उसकी तलाशी के दौरान ड्रग्स बरामद की गई।

Park
ISO GMP GLP WHO-COMLIENS SCHEDULE M
Manufacturing Facility at Baddi, Himachal Pradesh
TABLETS CAPSULES LIQUIDS
INJECTION EYE/EAR & NASAL DROPS DRY SYRUP
Proposals Invited for Marketing Tie-ups, Contact/Third Party Manufacuturing/Export Orders
Looking Distributors on PCD/Franchisee Basis in un-represented area
SCO-206, First Floor, Sector-14, Panchkula (Haryana)
PH : +91 92170-80009, +91 92183 98388
PARK CARE | SPACE CARE | CareHealth
Works : Village Kalujhanda, Teh. Baddi (H.P.)
Corporate Office : SCO 206, 1st Floor, Sector-14, Panchkula (Haryana)
E-mail : gmcontpark@gmail.com
Web Site : www.parkpharma.net

ProctoPiles® कैप्सूल्स / क्रीम
24 घण्टे* के अन्दर खून, दर्द, जलन व खुजली से शुरूआती राहत पायें।
सभी प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध
No Side Effects
• ये ड्रॉप ब्लडिंग रोकने में मदद करता हैं।
• मस्सो की गांठ को हटाने में सहायक हैं।
• मस्सो में होने वाले दर्द को कम करता हैं।
आयुर्वेद एक चमत्कार...
Vrinda life (A DIVISION OF GOPAL LIFESCIENCES) A WHO-GMP CERTIFIED UNIT
Helpline No. 82880-01088

भारत ने ऑस्ट्रेलिया में दवा मूल्य नियंत्रण का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली: भारत ने हाल ही में दोनों देशों के अधिकारियों के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान ऑस्ट्रेलिया में फार्मास्यूटिकल मूल्य नियंत्रण, विशेष रूप से जेनेरिक दवाओं का मुद्दा उठाया है। वाणिज्य मंत्रालय ने दोनों पक्षों ने बाजार पहुंच के मुद्दों के समय पर समाधान, लोगों से लोगों के बीच संपर्क को गहरा करने और तरजीही आयात डेटा साझा करने के लिए एक संस्थागत तंत्र बनाने पर मिलकर काम करने का फैसला किया है। 2023-24 में देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 7.7 प्रतिशत घटकर 24 बिलियन अमरीकी डॉलर रह गया, जबकि 2022-23 में यह 26 बिलियन अमरीकी डॉलर था। भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (इंड-ऑस ईसीटीए) के तहत कैनबरा में पहली संयुक्त समिति की बैठक (जेसीएम) के दौरान अन्य मुद्दों के अलावा इन मुद्दों पर चर्चा की गई । मंत्रालय ने कहा, दोनों पक्षों ने ECTA के सुचारू कार्यान्वयन को स्वीकार करते हुए, जैविक उत्पादों पर MRA (पारस्परिक मान्यता समझौते), भिंडी, अनार, अंगूर, पनीर जैसे उत्पादों से संबंधित बाजार पहुंच के मुद्दों सहित ECTA कार्यान्वयन के मुद्दों पर संक्षेप में विस्तार से बताया ऑस्ट्रेलिया में विशेष रूप से जेनेरिक पर दवा मूल्य नियंत्रण, व्हिस्की और वाइन पर कार्य समूह द्वारा की गई प्रगति। मंत्रालय ने कहा कि इसका उद्देश्य नियामक चुनौतियों का समाधान करना और इन उत्पादों के व्यापार को बढ़ावा देना था, भारत में झींगा और झींगा के लिए रोग मुक्त क्षेत्रों की स्थापना पर भी चर्चा की गई। इसमें कहा गया है कि जेसीएम बैठक में कुछ महत्वपूर्ण सेवा मुद्दों पर विचार किया गया, जिसमें नर्सिंग और दंत चिकित्सा जैसे व्यवसायों में सीमा पार ई-भुगतान और एमआरए की सुविधा के लिए भारत के अनुरोध पर विचार करना शामिल है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया सीईसीए (व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता) वार्ता के तहत डीएफएटी से अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल और सहायक सचिव रवि केवलराम के बीच मुख्य वार्ताकार स्तर पर भी चर्चा हुई, जिसमें नौ दौर के बाद हुई प्रगति की समीक्षा की गई और संतुलित परिणाम पर पहुंचने के उद्देश्य से इसके पूरा होने के लिए आगे का रास्ता तय किया गया। ऑस्ट्रेलिया ओशिनिया क्षेत्र में भारत का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापारिक व्यापार 2023-24 में लगभग 24 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है, जो आगे विकास की महत्वपूर्ण क्षमता का संकेत देता है। यह बैठक व्यापार संबंधों को और मजबूत करने तथा व्यापार सुविधा, निवेश संवर्धन जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग के लिए नए अवसरों का पता लगाने के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के लिए समर्थन सहित अन्य क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है।

त्रिपुरा के जी.बी. पंत अस्पताल में किडनी प्रत्यारोपण सुविधा शुरू की जाएगी: मुख्यमंत्री माणिक साहा

अगरतला: त्रिपुरा में स्वास्थ्य सेवा के लिए एक महत्वपूर्ण विकास में , मुख्यमंत्री माणिक साहा ने गुरुवार को घोषणा की कि जी.बी. पंत अस्पताल जल्द ही किडनी प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं को करने के लिए सुसज्जित होगा। यह घोषणा जी.बी. पंत और अगरतला सरकारी मेडिकल कॉलेज (ए.जी.एम.सी.) के निरीक्षण दौरे के बाद की गई। अपने दौरे के दौरान, साहा ने अस्पताल में चल रही प्रगति पर प्रकाश डाला, जिसमें सात नए सुपर-स्पेशियलिटी आउटपेशेंट विभागों और वार्डों को समायोजित करने के लिए कार्यालयों का स्थानांतरण शामिल है।

उन्होंने अब तक की प्रगति पर अपनी संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा, हमारा लक्ष्य एक ही छत के नीचे व्यापक देखभाल प्रदान करने के लिए इन संवर्द्धनों को तेजी से पूरा करना है। इसके अतिरिक्त, साहा ने अस्पताल परिसर में पानी की गुणवत्ता के बारे में चिंताओं को संबोधित किया। उन्होंने पानी में उच्च लौह तत्व से निपटने के लिए एक आयरन रिमूवल प्लांट की स्थापना की योजना का खुलासा किया, जो सुविधा में स्वास्थ्य और स्वच्छता मानकों को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। साहा ने अस्पताल की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा, हमें जीबी पंत में पानी में आयरन तत्व की जानकारी है, इसलिए हम आयरन रिमूवल प्लांट लगाने की संभावना तलाश रहे हैं। हमारा लक्ष्य उपलब्ध बुनियादी ढांचे का लाभ उठाते हुए इसे उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में स्थापित करना है। मुख्यमंत्री ने आगामी किडनी प्रत्यारोपण सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी, जो अस्पताल की सेवा क्षमताओं के लिए एक महत्वपूर्ण छलांग है। उन्होंने बताया, डॉक्टरों और कर्मचारियों की एक टीम को प्रशिक्षण के लिए मणिपुर भेजा गया है, और वे वापस आ गए हैं। हम जल्द ही इन सुविधाओं को खोलने की तैयारी कर रहे हैं। इस कदम से उन रोगियों पर बोझ कम होने की उम्मीद है, जिन्हें पहले ऐसी गंभीर प्रक्रियाओं के लिए राज्य से बाहर जाना पड़ता था। साहा के दौरे में न्यूरोसर्जरी और नेफ्रोलॉजी विभागों की गहन समीक्षा और डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ दवा, उपकरण रखरखाव और गुणवत्ता नियंत्रण पर चर्चा भी शामिल थी। किडनी ट्रांसप्लांट सुविधाओं और आयरन रिमूवल प्लांट दोनों की स्थापना राज्य भर में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसमें लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), विद्युत विभाग और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ परामर्श जारी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी लंबित कार्य कुशलता से पूरे किए जाएं।

नियामक ने दवा निर्यात के लिए एनओसी जारी करने की राज्य लाइसेंसधारकों की शक्ति रद्द

नई दिल्ली: भारत के औषधि नियामक ने निर्यात उद्देश्यों के लिए अस्वीकृत, प्रतिबंधित या नई दवाओं के निर्माण के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने के लिए राज्य लाइसेंसिंग अधिकारियों को सौंपी गई शक्तियों को वापस ले लिया है। यह कदम कई देशों में घटिया भारतीय दवाओं के कारण स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के मद्देनजर उठाया गया है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) द्वारा जारी एक नोटिस में कहा गया है कि उद्योग 15 मई से ऑनलाइन मोड के माध्यम से क्षेत्रीय कार्यालयों से फिर से आवेदन कर सकता है। इसने उद्योग से निर्यात उद्देश्यों के लिए अस्वीकृत, स्वीकृत नई दवाओं और प्रति. बंधित दवाओं के निर्माण के लिए एनओसी के लिए नए सिरे से आवेदन करने को कहा। नोटिस में कहा गया है, इसके अनुसार, राज्य/केंद्र शासित प्रदेश लाइसेंसिंग प्राधिकरण को सौंपी गई शक्ति 15 मई, 2024 से वापस ले ली जायेगी और ऐसे एनओसी सीडीएससीओ क्षेत्रीय कार्यालय के प्रमुख द्वारा दिए जाएंगे। नियामक ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रकों से 2 अगस्त, 2018 से 14 मई, 2024 तक जारी सभी एनओसी को सीडीएससीओ के संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों को सौंपने को कहा। यह कदम कई घटनाओं की पृष्ठभूमि में उठाया गया है, जिसमें भारत में निर्मित दवाओं और कफ सिरप को कथित रूप से दूषित पाया गया है। गाम्बिया द्वारा आयातित कफ सिरप कथित रूप से डायथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) और एथिलीन ग्लाइकॉल (ईजी) से दूषित पाए गए, जिसके परिणामस्वरूप बच्चों में तीव्र किडनी की चोट के मामले सामने आए। मार्च में यूनाइटेड स्टेट्स सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) और गाम्बियन वैज्ञानिकों द्वारा की गई एक जांच ने में आयातित डीईजी या ईजी से दूषित दवाओं के कारण बच्चों में ये मामले सामने आए।

फर्जीवाड़ा कर सर्टिफिकेट जारी करने पर फार्मेसी काउंसिल के पूर्व-रजिस्ट्रार पर केस दर्ज

नई दिल्ली: दिल्ली फार्मेसी काउंसिल के पूर्व-रजिस्ट्रार और फार्मासिस्ट कुलदीप सिंह के खिलाफ केस दर्ज किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। यह कार्रवाई एंटी करप्शन ब्रांच (एसीबी) ने की है। पूर्व-रजिस्ट्रार पर अपने कार्यकाल के दौरान तीन लोगों को फर्जी दस्तावेज के आधार पर रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट जारी करने का आरोप है। एसीबी ने यह कार्रवाई सेक्शन ऑफिसर अजय सचदेवा की शिकायत पर की। बतां दे काउंसिल पहले ही कुलदीप सिंह को सस्पेंड कर चुकी है।

अगले अधिकारी को तीन महीने तक चार्ज नहीं सौंपा: बताया गया है कि रजिस्ट्रार के दस्तावेजों और सत्यापन रिपोर्ट को निलंबन का आदेश जारी होने के बाद रजिस्ट्रार कार्यालय में ताले में बंद कर रखा था। उन्होंने तीन माह से अधिक समय तक अगले अधिकारी को चार्ज भी नहीं सौंपा।

इनके सर्टिफिकेट मिले जाली : जिन तीन अभ्यर्थियों के दस्तावेज जाली पाए गए हैं, उनमें मोहम्मद मुज्जसिम निवासी संभल, यूपी का सरकारी अस्पताल में ट्रेनिंग का सर्टिफिकेट जाली निकला। दूसरे अभ्यर्थी मदन दुबे का भी ट्रेनिंग सर्टिफिकेट फर्जी पाया गया था। वहीं, तीसरे अभ्यर्थी हीरा का बिहार बोर्ड ओपन स्कूलिंग का बारहवीं का सर्टिफिकेट भी जाली मिला। यह फर्जीवाड़ा वर्ष 2022-23 के दौरान हुआ बताया गया है।

तीन अभ्यर्थियों को फार्मेसी में रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट जारी किए : शिकायतकर्ता सेक्शन ऑफिसर काउंसिल अजय सचदेवा का आरोप है कि दिल्ली फार्मेसी काउंसिल के पूर्व रजिस्ट्रार व फार्मासिस्ट कुलदीप सिंह के निलंबन के बाद फाइलों की जांच की गई। इसके बाद इन तीन लोगों के रजिस्ट्रेशन में फर्जीवाड़े का मामला सामने आया। पूर्व रजिस्ट्रार ने तीन अभ्यर्थियों को फार्मेसी में रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट जारी किए थे। इन तीनों ने ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से फार्मासिस्ट के रूप में रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया था।

साइनस रोग पर आयुर्वेद परिचर्चा

मल-मूत्र एवं छींक आदि के वेगों को रोकने से, अजीर्ण होने से, धूल के नाक में जाने से, अधिक बोलने से, अधिक क्रोध करने से, ऋतुओं की विषमता से, शिर: थूल होने से, रात्री जागरण से, अधिक सोने से, ठन्डे जल का उपयोग करने से, ओस के प्रभाव से, अधिक मैथुन करने से, अधिक आँसु गिराने से और धुंआ लगने से जब शिर में कफ अधिक संचित हो जाता है तब बढ़कर प्रतिश्याम रोग को उत्पन्न होता हैं।

वातज प्रतिश्याम का लक्षण – वात के कारण होने वाले प्रतिश्याम में नाक में दर्द और सुई चुभाने जैसी पीड़ा, छींक आना, पानी जैसा नाक से स्त्राव होना, शिर: थूल और स्वरभेद होना।

पित्तज प्रतिश्याय का लक्षण – पित्तज प्रतिश्याय में नासिका का अग्रभाग पक जाता है, ज्वर होता है, मुख सुखता है, प्यास लती है और गरम-गरम पीला द्रव निकलाता हैं।

कफज प्रतिश्याय का लक्षण – कफज प्रतिश्याय में कास, भोजन में अरूची, गाढे कफ का स्त्रावल होना और नाक में खुजली होना।

सन्निपातजं प्रतिश्याय के लक्षण – त्रिदोषज प्रतिश्याय या पीनस में तीनों दोषों के जो लक्षण कहे गये हैं, वे सब होते है और इसमें तीव्र पीड़ा होती हैं।

दुष्ट प्रतिश्याम और उसके उपद्रव – जब प्रतिश्याम रोग की ठीक समय पर उचित चिकित्सा नहीं की जाती है और आहितकर आहार किया जाता है, तब वह उपेक्षित हुआ प्रतिश्याय का रूप धारण कर लेता हैं। उसके बाद उपद्रवस्वरूप अनेक प्रकार के रोग उत्पन्न हो जाते है। जैसे-छिंके आना, नाक का सुख जाना, प्रतिनाह (नाक का बंद हो जाना), नाक से बहुत पानी निकलते रहना, नाक से सड़न जैसी दुर्गन्ध आना, अपीनस होना (सदैव सर्दि जुकाम बना रहना) नाक का पकना, नाक में सुजन आना, नाक में ग्रन्थी बनना, नाक में पूय जमा होना, नाक से रक्त आना, नाक में छोटी फुन्सियाँ होना, सिर, कान और आँख के रोगों का होना, सिर के बालों का झड़ना (खालित्य), पालिव्य (सिर के बालों का सफेद होना, प्यास लगना, दम फूलाना, खाँसी आना, ज्वर होना, रक्तपित्त रोग होना, स्वर भेद होना और राज्यक्षमा होना-ये उपद्रव होते हैं।

चिकित्सा सूत्र – प्रतिश्याय सामान्यत: वेगों को रो. कने, अत्यंत भाषण, ऋतु की विषमता का या परिवर्तन, अत्यंत जागरण, शीतलजल, ओस, मैथुर और धुंआ से होता है। बारम्बार प्रतिश्याय होना धातुक्षय का एक लक्षण है। इससे बचना चाहिए। क्योंकि प्रतिश्याय के अच्छा न होने पर कास और कास अच्छा न होने पर यक्ष्मा हो जाता है।

सामावस्था में लंघन कराये, सहने योग्य अधिकतम उष्ण जल अधिकतम मात्रा में बारम्बार पिलायें। अधिकतम उष्ण जला का सेवन करें। अदरक का सेवन करें। सिर की पीड़ा में दाल चीनी व लंवण में से किसी एक का या दोनों का लेप करें। पक्व प्रतिश्याय में छींक लाये। सिर पर तेल रखें। पसीना लाये। कटु पदार्थ आदि, सोंठ, हिंग आदि से युक्त लघु भोजन करें।

पथ्य – प्रारम्भ में लंघन, तत्पश्चात मूँग, परवल, आदी, हलसुन मलाई युक्त दही मधु मिलाकर, गुड़, उष्ण जल, बकरी का दूध, काली मिर्च आदि।

- 1 चम्मच सितोपलादि और आधा चम्मच ताली. सादि चूर्ण मिलाकर सुबह-शाम गरम पानी से एक हफ्ते लें।
- आधे चम्मच मधुयस्ती चूर्ण को आधे चम्मच शहद में मिलाकर सुबह-शाम एक हफ्ते तक लें।
- सोने से पहले नाक में गाय के घी की दो-दो बूंदें तीन दिन तक डालें। पिघले घी को ही नाक में डालें।

योग में इलाज

- सुबह उठकर 1 से 2 मिनट जल नेति
- कुंजल क्रिया 2 से 5 मिनट
- कपालभाति 5 से 7 मिनट
- महावीर आसन 2 से 3 बार
- वीर आसन 2 से 3 बार
- पृष्ठचालन आसन 2 से 3 बार
- शलभासन 2 से 3 बार
- धनुर्रासन 2 से 3 बार
- मंडूकासन 2 से 3 बार
- लिंग मुद्रा 2 से 3 बार
- अनुलोम-विलोम प्राणायाम 2 से 5 मिनट
- भस्त्रिका प्राणायाम 2 से 5 मिनट

इसके बाद 2 से 5 मिनट ध्यान में बैठें या 2 से 5 मिनट तक शवासन करें।

पानी को उबालकर ठंडा करके उससे नेति क्रिया करें। नेति क्रिया किसी योग गुरु की देखभाल में दिन में एक बार और एक महीने लगातार करते रहें। बिना एक्सपर्ट कि सलाह के ना करें, सामान्यत इसका उपचार कफज मान कर करना ठीक होता है।

नाक से पानी आना,सर, शरीर का भारीहोना, कान , दांत, सर मे दर्द, कुपाचन, मुख से दुर्गन्ध आना, स्मरण शक्ति कमजोर होना, ज्वर,आलस्य आदि लक्षण होते है नासाछिद्र शोथ,श्वास-प्रश्वास में कठिनाई आदि।औषधि विवरण भाप -चव्य, चित्रक, त्रिकुट, वासा, दालचीनी, तुलसी, बहेङा छिलका सैन्धानमक हल्दी, सब सम भाग लेकर दो से तीन बार भाप ले।

(सभी औषधियों न प्राप्त होने पर जो अधिकतम मिल सके उनका प्रयोग करे) इसका ही क्वाथ गरम गरम शहद डालकर पीये। दिन मे दो से तीन बार

मल्लसिन्दूर, 1ग्राम. लौह भस्म, 10 ग्राम अभ्रक भस्म 10 ग्राम. तालिसादि चूर्ण 120ग्राम 50मात्रा, 1×3 शहद से.

लक्ष्मी विलास रस 2×3 अणु या षड विन्दु, अथवा क्षार तैल नस्य शीतल कफज खाद्य व वास परहेज करे।

उष्ण जल खाने पीने स्नान मे प्रयोग करे।

वेद अमेन्द्रमोहन
मो० न० 9415037450

बेहोशी की स्थिति में क्या न करें: बेहोश लोगों को पानी देने या जबरदस्ती खिलाने के खिलाफ स्वास्थ्य मंत्रालय की चेतावनी

नई दिल्ली: भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 15 अक्टूबर को हीटवेव से निपटने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है, हीटवेव आ गई है, लेकिन हम इसके लिए तैयार हो सकते हैं!ष अगर आपको चक्कर आ रहे हैं या बेचौनी हो रही है, तो इन प्राथमिक उपचार निर्देशों का पालन करके हीटवेव के लिए तैयार रहें : पानी पीकर खुद को हाइड्रेट करें, अगर हो सके तो अपने कपड़े उतार दें, तुरंत किसी ठंडी जगह पर चले जाएं, पानी से नहाएं और अगर आप बेहोश हैं तो जबरदस्ती खाना न खिलाएं या पानी न दें। इन नियमों में सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि बेहोश होने वाले लोगों को जबरदस्ती खाना या पानी न दिया जाए। बेहोश व्यक्ति में निगलने की क्रिया की कमी होती है, जिसके परिणामस्वरूप आकांक्षा हो सकती है। इसका मतलब है कि भोजन या तरल पदार्थ पेट के बजाय फेफड़ों तक पहुंच सकते हैं, जिससे श्वसन संबंधी परेशानी और निमो. निया हो सकता है।

15
अक्टूबर को हीटवेव से निपटने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए

अनुचित तरल पदार्थ प्रशासन के परिणामस्वरूप रक्त इलेक्ट्रोलाइट असामान्यताएं हो सकती हैं। दौरे, असामान्य हृदय ताल और अन्य समस्याएं इसके परिणामस्वरूप हो सकती हैं। मौखिक सेवन पर जोर देकर, व्यक्ति कोमा के कारण का पता लगाने के लिए उचित चिकित्सा मूल्यांकन प्राप्त करने में देरी कर सकता है। बेहोश लोगों को पानी देने या जबरन खिलाने के खिलाफ नियम गैर-परक्राम्य हैं। वायुमार्ग की सुरक्षा और सुरक्षा पर इस दिशानिर्देश का मौलिक ध्यान इसे सभी चिकित्सा स्थितियों में लागू करता है। यह एक मौलिक सिद्धांत है कि केवल सचेत व्यक्ति जो अपने वायुमार्ग की रक्षा करने और जानबूझकर निगलने में सक्षम हैं, उन्हें विशेष चिकित्सा परिस्थितियों की परवाह किए बिना भोजन या पानी लेना चाहिए।

यह व्यापक अनुप्रयोग इस बात पर जोर देता है कि पोषण देने के लिए कब उपयुक्त है यह तय करने में चेतना और वायुमार्ग की अखंडता कितनी महत्वपूर्ण है। चिकित्सा सहायता की आवश्यकता वाले बेहोश व्यक्ति की भलाई सुनिश्चित करने के लिए, आम लोगों को कुछ कार्य करने चाहिए। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, उन्हें बेहोश व्यक्ति को जितनी जल्दी हो सके कोमा में डालने और उन्हें पार्श्व या रिकवरी मुद्रा में रखने की आवश्यकता है। यह स्थिति खुले वायुमार्ग को बनाए रखना आसान बनाकर और मौखिक स्राव की निकासी में सहायता करके वायुमार्ग की रुकावट के जोखिम को कम करती है। तुरंत आपातकालीन चिकित्सा सहायता लें। ठोड़ी को ऊपर उठाएं और एक अवरोध रहित वायुमार्ग बनाए रखने के लिए सिर को एक तरफ थोड़ा झुकाएं। सुनिश्चित करें कि बेहोश व्यक्ति हर समय सांस ले रहा है। रिकवरी पोजीशन में बेहोश व्यक्ति को उसकी तरफ पलट दें। अगर वह उल्टी करता है, तो इससे उसकी सांस की नली खुली रहती है और उसका दम घुटने से बचाव होता है।

फर्जी मेंटल हॉस्पिटल का पर्दाफाश, 6 मरीज जंजीरों से बंधे मिले

गाजीपुर: फर्जी मेंटल हॉस्पिटल के भंडाफोड़ का मामला सामने आया है। यह अस्पताल 10 सालों से संचालित किया जा रहा था। इस हॉस्पिटल में इलाज करवा रहे एक मरीज की मौत होने पर इसका भांडा फूटा। हॉस्पिटल की तलाशी लेने पर उसमें 6 मरीज जंजीर से बांधे गए मिले। इन मरीजों को रिहा करा दिया गया है।

गाजीपुर के जमानिया में सहारा जन कल्याण नाम से एक मेंटल हॉस्पिटल चल रहा है। इस हॉस्पिटल में एक मरीज की इलाज के दौरान मौत हो गई है। इससे स्वास्थ्य विभाग में हडकंप मच गया। जब स्वास्थ्य विभाग ने हॉस्पिटल का निरीक्षण किया तो कई राज सामने आए। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार यह हॉस्पिटल अवैध रूप से संचालित हो रहा है। यहां पर जंजीरों में जकड़े 6 मरीज भी मिले। इन मरीजों को रिहा कर उनके परिजनों के हवाले किया गया है। हालांकि, कार्रवाई के करीब तीन दिन बीत जाने के बाद अभी तक भी इस हॉस्पिटल को सीज नहीं किया गया है।

जमानिया के मदनपुरा गांव में चल रहे इस फर्जी हॉस्पिटल में 10 सालों से मानसिक रोगियों का इलाज किया जा रहा है। हॉस्पिटल का रजिस्ट्रेशन मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में नहीं कराया गया था। इसकी पोल तब खुली, जब बिहार निवासी एक मरीज विकास की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के परिजनों की शिकायत पर अस्पताल के संचालक पिता और पुत्र पर 302 का मुकदमा कर उन्हें जेल भेज दिया गया। चिकित्सा अधीक्षक जमानिया डॉ. रवि रंजन की शिकायत पर केस दर्ज किया गया। हॉस्पिटल को अभी सीज नहीं किया गया है। जमानिया चिकित्सा अधीक्षक डॉ रवि रंजन ने बताया कि हॉस्पिटल पर विभागीय कार्रवाई के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय को भेजा जा चुका है। अनुमति मिल जाने पर हॉस्पिटल सीज की कार्रवाई को अमल में लाया जाएगा।

स्वप्न शास्त्र

शरीर पर तेल मलना

डॉ॰ सुरेन्द्र कुमार शर्मा

शारीरिक कष्टों से मुक्ति मिलेगी तथा स्वास्थ्य में सुधार होगा। चर्म रोगों से मुक्ति होगी तथा सौंदर्य में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी तथा मानसिक संतोष की प्राप्ति होगी। पारिवारिक सदस्यों के मध्य दूरियां कम होंगी तथा एक साथ रहने का अवसर प्राप्त होगा। परिजनों के मध्य स्नेह एवं विश्वास की स्थापना होगी। सरकारी कार्यों में सफलता प्राप्त होगी तथा रुके हुए सरकारी कार्य पुन: प्रारम्भ होंगे तथा सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण रूप होंगे। अथक प्रयत्नों से बिगड़े हुए कार्य बनेंगे तथा लाभ की प्राप्ति होगी। आर्थिक प्राप्ति का समय अच्छा है। आय के नये स्त्रोत खुलेंगे तथा जीविकोपार्जन की कठिनाइयां दूर होंगी। शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त होगी तथा आत्म-विश्वास में वृद्धि होगी। विरोधी परास्त होंगे तथा मानसिक सुख की प्राप्ति होगी। धन की कमी दूर होगी तथा व्यय पर अंकुश लगेगा। धन का संचय होगा एवं घरेलू सुख के साधनों में वृद्धि होगी। नये-नये कार्यों की योजनाएं बनेंगी तथा नवीन व्यापार करने का अवसर प्राप्त होने की संभावना हैं आर्थिक समस्याओं का समाधान होगा तथा घर में धन का निरन्तर आगमन होगा।

नेवला देखना

स्थिति अत्यंत गंभीर है, शत्रु प्रत्येक तरीके से हानि पहुंचाएंगे। इसी कारण हर समय भयभीत रहेंगे। परिवार के सदस्यों की जान को भी खतरा हो सकता है। मौका मिलते ही शत्रु आक्रमक करेंगे और आपको हानि पहुंचाएंगे। व्यर्थ ही वाद-विवाद होगा और चोट भी लगने की संभावना है। शत्रु व्यापार आदि में अवरोध पैदा करेंगे। व्यापार में हिस्सेदार विश्वासघात करेगा और बहुत बड़ी हानि उठानी पड़ सकती है। सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

– डॉ॰ सुरेन्द्र कुमार शर्मा, मो॰ 9711034710, 8630907504

लैक्मे कंपनी के नाम से बिक रहे नकली ब्यूटी प्रोडक्ट बरामद किए

बालाघाट: लैक्मे कंपनी के नाम से बाजार में दुकानों पर बिक रहे नकली ब्यूटी प्रोडक्ट बरामद किए गए हैं। जब्त किए गए सामान की कीमत करीब 1.20 लाख रुपये बताई गई है। यह कार्रवाई मुंबई से आई टीम ने कोतवाली पुलिस टीम को साथ लेकर गुजरी बाजार में चार दुकानों पर की। बालाघाट शहर में लंबे समय से नामी कंपनी के नाम से नकली सौंदर्य प्रसाधन सामग्री (कॉस्मेटिक प्रोडक्ट) बेचे जा रहे थे। इनमें लैक्मे कंपनी का फाउंडेशन, क्रीम आदि कंपनी के नाम से बेची जा रही थी। पैकिंग और लिखावट एक जैसी दिखने के कारण ग्राहक इन नकली उत्पादों को बेधडक खरीद रहे थे। मुंबई से आई चार सदस्यीय टीम ने बताया कि कंपनी को कापीराइट और नकली उत्पाद बेचने की शिकायत मिली थीं। करीब 12 दुकानों से इन नकली उत्पादों को खरीदकर सैंपल लिए गए और इनकी प्रयोगशाला में जांच की गई। जांच में सारे उत्पाद नकली होने की पुष्टि हुई। इनमें से चार दुकानों को संदिग्ध मानते हुए वहां दबिश दी गई है। इसके बाद मुंबई से लैक्मे कंपनी की जांच टीम बालाघाट पहुंची थी।

टीम ने बालाघाट पुलिस के साथ गुजरी बाजार में चार दुकानों पर दबिश दी। प्रत्येक दुकान से महिलाओं व युवितयों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले नकली उत्पादों को जब्त किया गय। इनकी अनुमानित कीमत 1.20 लाख रुपये है। जांच टीम ने आरोपी दुकान संचालकों के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज करा दी है।

आईटी एक्ट में 2016 के संशोधन को चुनौती देने वाली सीरम इंस्टीट्यूट की याचिका पर सुनवाई 17 तक स्थगित

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (SII) द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई 17 मई तक के लिए स्थगित कर दी, जिसमें बॉम्बे हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें आयकर अधिनियम में 2016 के संशोधन के खिलाफ उसकी याचिका खारिज कर दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कंपनी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद पी दातार द्वारा बहस के लिए समय मांगे जाने के बाद मामले को स्थगित कर दिया। याचिका में केंद्र या राज्यों द्वारा सब्सिडी, अनुदान, छूट, रियायतें या प्रतिपूर्ति या नकद या वस्तु के रूप में प्रोत्साहन को श्आयश के रूप में शामिल करने को चुनौती दी गई थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि केवल यह तथ्य कि उप-खंड के आधार पर कर की स्थापना याचिकाकर्ता पर अधिक भारी पड़ती है, कानूनी प्रावधान की अमान्यता का कारण नहीं बन सकती। उच्च न्यायालय ने कहा था, षसंविधान अनुच्छेद 19(1)(जी) के तहत व्यापार के अधिकार की रक्षा करता है, लेकिन यह लाभ के अधिकार तक इस सुरक्षा को विस्तारित नहीं करता है। उच्च न्यायालय ने कहा था कि यह सुनिश्चित करना विधायिका का कर्तव्य है कि कराधान नीति आर्थिक गतिविधि को प्रोत्साहित करने और राजकोषीय संसाधनों के न्यायसंगत वितरण को सुनिश्चित करने के बीच संतुलन को दर्शाती है।

सिप्ला फार्मा की पैकिंग में कमी, ग्लेनमार्क की दवा मानकों पर खरी नहीं, वापस मंगाई दवाएं

मुंबई: सिप्ला फार्मा और ग्लेनमार्क कंपनी ने अमेरिकी बाजार से अपनी दवाइयां वापस मंगवाई हैं। इनके विनिर्माण संबंधी समस्याओं को मुख्य कारण बताया गया है। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) की रिपोर्ट के अनुसार न्यू जर्सी में सिप्ला की सहायक कंपनी इप्राट्रोपियम ब्रोमाइड और एल्ब्युटेरोल सल्फेट इनहेलेशन सॉल्यूशन के 59,244 पैक वापस मंगा रही है। बताया गया हैं क रिस्प्यूल्स में कम मात्रा भरने और थैली में कुछ लिक्विड देखे जाने की शिकायतें मिलीं थी। जिन दवाओं को वापस मंगाया जा रहा है, उन दवाओं का इस्तेमाल अस्थमा, क्रोनिक ब्रोंकाइटिस और वातस्फीति सहित फेफड़ों की बीमारियों को नियंत्रित करने में किया जाता है। यूएसएफडीए के अनुसार ग्लेनमार्क डिल्टियाजेम हाइड्रोक्लोराइड की 3,264 बोतलें वापस ले रहा है। इस दवा का उपयोग उच्च रक्तचाप के इलाज के लिए किया जाता है। कंपनी की अमेरिका स्थित शाखा, ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स ने देश भर से दवा को वापस लेने की शुरुआत की। उधर, अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक के अनुसार दवा बनाने वाली कंपनी ल्यूपिन ने अमेरिकी बाजार से अपनी दवाओं को वापस ले लिया है।

भारतीय फार्मास्युटिकल नेताओं ने अमेरिका-भारत साझेदारी से सस्ती दवा साझेदारी का आग्रह किया

नई दिल्ली: भारतीय फार्मास्युटिकल अलायंस (आईपीए) – जिसमें 23 प्रमुख भारतीय शोध-आधारित जेनेरिक फार्मास्युटिकल कंपनियाँ शामिल हैं – ने आज वाशिंगटन डीसी के डीएआर संग्रहालय में बैठक की, जिसमें दोनों देशों की फार्मास्युटिकल आपूर्ति श्रृंखला के लिए विदेशी स्रा. `तों पर निर्भरता कम करने और सस्ती दवा लचीला. पन हासिल करने के लिए यूएस-भारत व्यापार साझेदारी का आग्रह किया गया। इन नेताओं ने IOVIA इंस्टीट्यूट

फॉर ह्यूमन डेटा साइंस द्वारा जारी एक नए प्रमुख अध्ययन का हवाला दिया। यूएस-इंडिया मेडिसिन पार्टनरशिप: यूएस हेल्थकेयर में भारत का योगदान – यूएस हेल्थकेयर सिस्टम में भारत के महत्वपूर्ण योगदान और दोनों देशों की स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए यूएस-इंडिया संबंधों के महत्व पर प्रकाश डाला। एक ही स्रोत से अमेरिकी बाजार में बुनियादी दवाओं जैसे कि हाइपरटेंसिव और एंटीबायोटिक्स (जो वैश्विक एंटीबायोटिक्स का लगभग आधा हिस्सा वितरित करते हैं) की हिस्सेदारी बढ़ रही है, अमेरिका के लिए रणनीतिक किफायती दवा भागीदारों के रूप में भारतीय दवा कंपनियों के महत्व पर जोर देते हुए, इन अधिकारियों ने अमेरिका और भारत में स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी किफायती दवा साझेदारी का आह्वान किया। जाइडस लाइफसाइंसेज के आईपीए उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक शार्विल पटेल ने कहा, इन महत्वपूर्ण नेटवर्क में संतुलन बहाल करने और लचीलापन बनाने का समय आ गया है। यह केवल विवेकपूर्ण नहीं है – यह महत्वपूर्ण है। सस्ती दवा साझेदारी अमेरिका की आपूर्ति श्रृंखलाओं पर फरवरी 2021 के कार्यकारी आदेश के अनुरूप होगी, जिसमें राष्ट्रपति बिडेन ने फार्मास्यूटिकल्स और सक्रिय दवा सामग्री को आपूर्ति श्रृंखला जोखिम के रूप में पहच. ाना और घोषणा की कि अमेरिका को अपनी आर्थिक समृद्धि और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लचीली, विविध और सुरक्षा आपूर्ति श्रृंखलाओं की आवश्यकता है। IOVIA संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार, भारत लंबे समय से संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए सस्ती दवाओं का एक महत्वपूर्ण स्रोत रहा है। अमेरिकियों के लिए निर्धारित सभी दवाओं में से 90 प्रतिशत जेनेरिक हैं, और उनमें से 47 प्रतिशत नुस्खे भारतीय दवा कंपनियों द्वारा उत्पादित उत्पादों से भरे गए हैं। इन कंपनियों द्वारा अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में औसत वार्षिक बचत +219 बिलियन से अधिक है, और पिछले दशक में +1.3 ट्रिलियन से अधिक है। पटेल ने आगे कहा, हम अमेरिका के दवा भागीदारों के रूप में

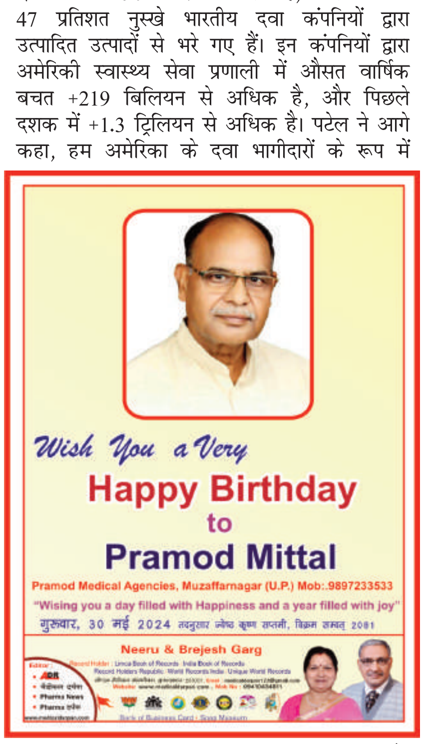

अपनी भूमिका को पूरी तरह से स्वीकार करते हैं। नई IOVIA संस्थान रिपोर्ट अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में हमारे महत्वपूर्ण योगदान को उजागर करती है। अमेरिका भर में हमारे संचालन केवल व्यवसाय से अधिक हैं; वे अमेरिकी समुदायों के प्रति हमारी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

पटेल ने नई रिपोर्ट के विशिष्ट निष्कर्षों पर चर्चा की। निष्कर्ष अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में भारतीय फर्मों द्वारा महत्वपूर्ण योगदान को प्रदर्शित करते हैं। शीर्ष दस (10) प्रमुख चिकित्सीय क्षेत्रों में से पांच (5) में, भारतीय कंपनियों का अमेरिकी नुस्खों में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है, जिसका प्रतिशत 55 प्रतिशत से लेकर 60 प्रतिशत तक है। पटेल ने निष्कर्ष निकाला, अमेरिका और भारत दोनों ने स्वीकार किया है कि API और KSM के लिए आपूर्ति श्रृंखलाएँ अपर्याप्त रूप से विविध हैं और जोखिम को कम करने और विविधता लाने के लिए सहयोग करने की गुंजाइश है। इस बात का संदर्भ देते हुए कि व्यापार प्रस्ताव राष्ट्रपति बिडेन के कार्यकारी आदेश, भारत के उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन कार्यक्रम और जनवरी 2024 के यूएस-भारत संयुक्त वक्तव्य के अनुरूप है, ल्यूपिन की सीईओ विनीता गुप्ता ने इसके महत्व पर जोर दिया। किफायती दवा साझेदारी प्रस्ताव एक व्यापार पहल से कहीं अधिक है; यह हमारी पारस्परिक समृद्धि और सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक आधारभूत कदम है। गुप्ता ने प्रस्ताव पर आगे विस्तार से बताया, ऊर्जा, जलवायु और अर्धचालकों में मौजूदा यूएस-भारत सहयोग के स्वाभाविक विस्तार के रूप में इसके रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला। महामारी से मिले सबक ने हमें स्पष्ट रूप से दिखाया है कि स्वास्थ्य आंतरिक रूप से औद्योगिक कौशल और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। इस पहल के साथ, हमारा लक्ष्य हमारे औद्योगिक क्षेत्रों और राष्ट्रीय सेनाओं के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करना है, जिससे दोनों देशों की स्वास्थ्य सुरक्षा बढ़ेगी। गुप्ता ने कहा, एक बार यह आधारभूत ढांचा तैयार हो जाने के बाद, इसे यूरोपीय संघ, यूके और कनाडा जैसे विश्वसनीय सहयोगियों तक बढ़ाया जा सकता है। हम एक व्यापक ढांचा बना रहे हैं जो न केवल तत्काल स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को संबोधित करता है बल्कि हमें भविष्य की चुनौतियों के लिए भी तैयार करता है। यह पहल एक लचीला वैश्विक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है जो दुनिया भर में आर्थिक स्थिरता और सुरक्षा का समर्थन करता है। आईपीए के महासचिव सुदर्शन जैन ने भारतीय फार्मास्युटिकल एलायंस का प्रतिनिधित्व करने पर अपने गहरे सम्मान को व्यक्त करते हुए सत्र का समापन किया।

मैडीकल दर्पण मीडिया हाऊस की ओर से जन्मदिन पर ढेर सारी शुभकामनाएं

SHRI CHETAN R.BHAMARE JI	NASHIK	10/05/1984	8698369898
SHRI VIJAY S. PATIL JI	BHANDARA	14/05/1982	9527243816
SHRI MANISH AGARWAL JI	NAGPUR	14/05/1974	9373767676
RAFU A. KHAN	NASHIK	15/05/1975	9822513147
SHRI GOPAK N.PATIL JI	BELGAUM	16/05/1968	9663517805
SHRI NILESH DESHPANDE JI	SOLAPUR	17/05/1983	9881136502
SHRI YOGESH KADAM JI	NASHIK	17/05/1984	9423932656
SHRI FURKHAN JI	BULANDSHAHR	18/05/1991	7895901048
SHRI YBV. PARVATHALU (BALU) JI	PRAKASAM	18/05/1970	9866395614
SHRI RAJESH KUMAR JI	AGRA	20/05/1957	9319102913
SHRI DINESH KUMAR GABDA JI	DHULE	21/05/1959	9552939759
SHRI NANDU BHAI PATIL JI	BANASKANTHA	21/05/1970	9879395808
SHRI MAHESH CHOUDHRY JI	PUNE	21/05/1991	9552310059
SHRI JIGNESH K. PATANI JI	VADODARA	22/05/1992	9879618351
SHRI MAYANK SINGH JI	RAJHANDGOON	22/05/1999	7000436157
SHILPA AGARWAL JI	BULANDSHAHR	22/05/1997	7409062958
SHRI BHANUDAS PATIL JI	JALGAON	22/05/1973	9890111659
SHRI SANDIP BORA JI	NASHIK	23/05/1974	9423485884
SHRI SAMEER K.PARKHI JI	NASHIK	23/05/1990	7588013365
SHRI ASHISH D. AGARWAL	BHANDARA	24/05/1986	9420517280
SHRI SHIVKUMAR BANSAL JI	AGRA	25/05/1998	9690617328
SHRI RAJ NARESH SHARMA JI	AGRA	26/05/1963	9219615112
SHRI JITENDRA MORANKAR JI	DHULE	26/05/1973	8483089386
SHRI D.M. MAHAJAN JI	KOLHAPUR	26/05/1965	9673355399
SHRI PRAKASH KUMAR H. CHOUDHARY JI	SURAT	26/05/1988	8469935185
SHRI VIVEK GOSAVI JI	NASHIK	26/05/1988	8806057916
SHRI RUPESH GOVIND NANKAR JI	NASHIK	26/05/1985	9422766651
SHRI AMISH SHAHU JI	NAGPUR	27/05/1976	9860500915
SHRI PAVANJAIN JI	DHAULPUR	27/05/1977	9414028142
SHRI NISCHAL PUROHIT JI	TAPI	28/05/1972	9825651996
SHRI ARUN CHOUDHARY JI	BULANDSHAHR	28/05/1993	9675023063
SHRI YOGESH N.BHOKARE JI	JALGAON	28/05/1977	9850210488
SHRI BHARAT BHAI PATEL JI	MEHSANA	31/05/1973	9429728129
SHRI VIQUAR SAGEER AZEEZY JI	JALGAON	31/05/1971	9423977861
SHRI PRAFUL SHAH JI	SURAT	01/06/1962	9428390906
SHRI PATEL DURGESH JI	PATAN	01/06/1986	9624153791
Shri. SHABBIR A. DEGINAL JI	BIJAPUR	01/06/1978	9845459521
ANSARI ALIMUDDIN	NASHIK	01/06/1957	9823183104
MOH. ARIF	NASHIK	01/06/1965	9822331586
SHRI EKNATH SAINDANE JI	JALGAON	01/06/1972	9665540688
SHRI N.S. PATIL JI	KOLHAPUR	02/06/1969	9226885265
MOHD. NAFEES AHMAD JI	ETAH	02/06/1969	7017422084
SHRI BALKISHAN MUNESHWAR JI	GONDIA	02/06/1976	9049990117
SHRI MOHIT P. DESAI JI	VADODARA	03/06/1979	9824155470
SHRI P.K. PRADHAN JI	MAZITAR	03/06/1955	9064462916
SHRI PRABHU ASATI JI	GONDIA	03/06/1964	7774840222
DR. UDAI PAL SHARMA JI	BULANDSHAHR	03/06/1968	9761130317
SHRI RAVINDRA DHADD JI	KOLHAPUR	04/06/1960	9730086251
SHRI DEEPAK JAIN JI	NAGPUR	05/06/1975	9420063375
MR. HARSHAD RUDRAKAR JI	AMRAVATI	05/06/1975	9975521267
SHRI YASH R. MALI JI	JALGAON	05/06/1996	7588010199
MOHD. FAHEEM AKHTAR	NAGPUR	05/06/1978	9373664636
DR. PRADEEP KUMAR JI	BULANDSHAHR	05/06/1992	9759064593
SHRI HANS RAJ SAINI JI	ALWAR	05/06/1992	9982719797
SHRI SATISH P.NAVAL JI	NASHIK	06/06/1956	9225738802
SHRI ANUPAM GARG JI	AGRA	06/06/1998	7878905919
SHRI HEMENDRA KUMAR JI	ALWAR	07/06/1980	9694320719
SHRI MAHENDRA BHAI JI	SURAT	08/06/1986	9913582689
SHRI PRASHANT YEOLE JI	DHULE	08/06/1978	9923105571
SHRI ASHISH VARSHNEY JI	ETAH	08/06/1978	9837122244
SHRI BANKEYLAL JI	ALIGARH	08/06/1985	9758395613
SHRI DINESH KUMAR CHOUDHRY JI	SURAT	09/06/1990	9725577877
SHRI UTTAM PATH JI	BARGARH	09/06/1976	9437218792

अंगदान दर में सुधार के लिए आईसीयू में मस्तिष्क मृत्यु के मामलों की निगरानी करें राज्यः केंद्र

नई दिल्लीः केंद्र ने राज्यों से आईसीयू के मरीजों में ब्रेन स्टेम डेथ के मामलों की निगरानी करने को कहा है। केंद्र ने कहा है कि ऐसे मामलों की खराब पहचान और प्रमाणन के कारण देश में अंगदान की दर कम स्तर पर बनी हुई है। राज्यों को दी गई सलाह का उद्देश्य देश में अंगदान की दर को बढ़ाना है, जो प्रति दस लाख की आबादी पर एक से भी कम है। राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (NOTTO) के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने राज्यों को लिखे पत्र में कहा, भारत में अंगदान की दर कम बनी हुई है (प्रति वर्ष प्रति दस लाख की आबादी पर एक से भी कम)। इसमें पहचानी गई प्रमुख चुनौतियों में से एक ब्रेन स्टेम डेथ (BSD) मामलों की खराब पहचान और प्रमाणन है, जबकि ऐसे कई संभावित मामले मौजूद हैं।

मानव अंग ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के प्रावधानों के अनुसार , आईसीयू में संभावित ब्रेन स्टेम मृत्यु मामलों की पहचान करना आवश्यक है। इसके अलावा, यह जांच करना अनिवार्य है कि क्या ऐसे संभावित दाताओं ने अंगदान के लिए प्रतिज्ञा की थी और यदि नहीं, तो परिवार के सदस्यों को कानून के तहत हृदय गति रुकने से पहले अंगदान करने के अवसर के बारे में जागरूक करना चाहिए, उन्होंने कहा। पिछले महीने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और क्षेत्रीय और राज्य अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (आरओटीटीओ और एसओटीटीओ) के निदेशकों को भेजे गए पत्र में कुमार ने कहा कि ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर को प्रत्यारोपण समन्वयक की मदद से ऐसे बीएसडी मामलों के प्रमाणीकरण के बाद उपर्युक्त जांच करनी होती है।

कुमार ने कहा कि प्रत्येक संस्थान से अनुरोध है कि वह अधिनियम और नियमों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए बीएसडी मामलों के प्रमाणीकरण की सुविधा प्रदान करे और निगरानी करे। अपने पत्र में, अधिकारी ने आवश्यक अनुरोध प्रदर्शन बोर्ड का एक टेम्पलेट संलग्न किया है जिसे अस्पताल में आईसीयू, आपातकालीन या किसी अन्य रणनीतिक स्थान के बाहर रखा जाना है। उन्होंने नियमित मासिक आधार पर अस्पतालों से एकत्रित की जाने वाली सूचनाओं की एक सूची भी संलग्न की। उन्होंने कहा कि संस्थान के प्रमुख और संबंधित एसओटीटीओ को एकत्रित जानकारी का विश्लेषण करना चाहिए और सभी संभावित दाताओं से अंग दान को अधिकतम करने के उद्देश्य से सुधारात्मक कार्यवाई की जानी चाहिए। पत्र में कहा गया है कि इसके अलावा, सभी एसओटीटीओ से अनुरोध है कि वे प्रत्येक पंजीकृत अस्पताल से सूची के अनुसार ऐसी जानकारी एकत्र करें और इसे प्रत्येक आगामी महीने की सात तारीख तक एनओटीटीओ को भेजें।

औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण में सुधार के लिए उद्योग प्रतिनिधियों से युक्त पैनल

नई दिल्लीः राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के संस्थागत सुधारों के लिए गठित समिति में उद्योग के प्रतिनिधि शामिल हैं, जिन्हें प्राधिकरण द्वारा विनियमित किया जाना चाहिए। जन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने औषधि विभाग (डीओपी) द्वारा 14 फार्मा एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों को विशेष आमंत्रित के रूप में शामिल करके समिति गठित करने की बेतुकी और हितों के टकराव की ओर इशारा किया है । 12 मार्च को शुरू में गठित की गई इस समिति में सचिव डीओपी, अध्यक्ष एनपीपीए और इसके वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार के साथ दो विशेष आमंत्रित सदस्य, भारतीय औषधि गठबंधन (आईपीए) के महासचिव और भारतीय औषधि निर्माता संघ के सीईओ का एक मुख्य समूह था। हालांकि, जब डीओपी को अन्य उद्योग संघों से उनके प्रतिनिधियों को विशेष आमंत्रित सदस्यों के रूप में शामिल करने के लिए कई अनुरोध प्राप्त हुए, तो 24 अप्रैल को विशेष आमंत्रित सदस्यों की सूची में विस्तार किया गया और इसमें सीआईआई, फिक्की, एसोचैम, यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम, ऑर्गनाइजेशन ऑफ फार्मास्युटिकल प्रोड्यूसर्स ऑफ इंडिया और एसोसिएशन ऑफ इंडियन मेडिकल डिवाइस इंडस्ट्री सहित व्यापार समूहों और फार्मा संघों के 12 प्रतिनिधियों को शामिल किया गया। उद्योग प्रतिनिधि न केवल मूल्य निर्धारण प्राधिकरण में सुधार का हिस्सा होंगे, बल्कि वे नए औषधि और चिकित्सा उपकरण (नियंत्रण) आदेश का मसौदा तैयार करने का भी हिस्सा होंगे, जो उनके उत्पादों की कीमत को विनियमित करने वाला है। मानक अभ्यास यह है कि सरकारी समिति द्वारा हितधारकों से परामर्श किया जाता है। समिति सुनवाई तय करती है और विभिन्न हितधारक इसके समक्ष उपस्थित होकर अपने इनपुट देते हैं। लेकिन वे समिति का हिस्सा कैसे हो सकते हैं? यह हितों का एक स्पष्ट टकराव है, दवाओं के तर्कसंगत उपयोग और दवाओं तक पहुंच में सुधार पर काम करने वाले एक वकालत समूह ऑल इंडिया ड्रग एक्शन नेटवर्क (एआईडीएएन) की मालिनी ऐसोला ने बताया। एनपीपीए को दवाओं के मूल्य निर्धारण को विनियमित करना और उनकी उपलब्धता और पहुंच सुनिश्चित करना है। ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर वह आदेश है जिसके द्वारा मूल्य नियंत्रण लागू किया जाता है, और यह एक ऐसा आदेश है जिसे पूरी तरह से बदला जा रहा है। ये सार्वजनिक हित में हैं, लेकिन डीपीसीओ के कामकाज की जांच करने वाली समिति में फार्मा उद्योग का वर्चस्व है। जिसने हमेशा मूल्य नियंत्रण का विरोध किया है, भले ही मूल्य के हिसाब से केवल 14 प्रतिशत और मात्रा के हिसाब से 25 प्रतिशत दवाओं के मूल्य नियंत्रण के तहत होने का अनुमान है।

RML हॉस्पिटल के दो डॉक्टर समेत 9 अरेस्ट, इलाज के नाम पर रिश्वत लेने का आरोप

नई दिल्ली। RML हॉस्पिटल (राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल) में इलाज के नाम पर रिश्वत लेने के मामले का पर्दाफाश हुआ है। सीबीआई ने इस मामले में 2 डॉक्टरों समेत 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि यह गिरोह डॉक्टरों के साथ मिलकर मरीजों से इलाज के नाम पर रिश्वतखोरी कर रहा था। सीबीआई ने इनकी शिकायतें मिलने पर इस गिरोह पर शिकंजा कसा है। आरएमएल के जिन दो डॉक्टर्स को गिरफ्तार किया गया है, उनमें कार्डियोलॉजी विभाग के डा. पर्वतगौड़ा और डॉ. अजय राज शामिल हैं। सीबीआई ने द्वारा दर्ज करवाई गई एफआईआर में 16 डॉक्टर्स, मेडिकल उपकरण बेचने वाले डीलर, हॉस्पिटल के नर्सिंग कर्मचारी और अन्य लोग शामिल हैं।

सीबीआई के अनुसार रजनीश कुमार, क्लर्क भुवाल जयसवाल, संजय कुमार और विकास कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि क्लर्क भुवाल जयसवाल ने डॉक्टरों के साथ मिलकर मरीजों को भर्ती कराने के लिए उनके परिजनों से रिश्वत ली वहीं, संजय कुमार ने फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट जारी करने के लिए रिश्वत ली। डॉक्टर्स और डीलरों से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की गई है। सीबीआई ने आरोपियों को कोर्ट में पेश कर 6 दिन की कस्टडी रिमांड पर लिया है। आरएमएल अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर पर्वतगौड़ा को ढाई लाख रुपये की रिश्वत के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया है।

सचिव चंद्रा एम्स गुवाहाटी की प्रगति से संतुष्ट

गुवाहाटीः केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्रा ने एम्स गुवाहाटी का दौरा करने के बाद वहां चल रहे काम और पहलों पर संतोष जताया। उन्होंने एम्स गुवाहाटी की प्रगति की व्यापक समीक्षा की और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे और सेवाओं को बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। चंद्रा ने कहा, एम्स गुवाहाटी पूर्वोत्तर के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य को बदलने में बहुत बड़ी भूमिका निभाता है।

सरकार इस क्षेत्र के लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा बढ़ाने के लिए समर्पित है। उन्होंने कार्यात्मक आईपीडी बेड और परिचालन सेवाओं की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने के लिए प्रौद्योगिकी और नवाचार का लाभ उठाने के महत्व पर भी जोर दिया,' चंद्रा ने संस्थान को आईआईटी गुवाहाटी जैसे तकनीकी संस्थानों के साथ सहयोग करने का सुझाव दिया। चंद्रा ने एम्स गुवाहाटी की पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए सरकार, स्वास्थ्य संस्थानों और हितधारकों के बीच सहयोगी प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। के कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर अशोक पुराणिक ने गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा, रोगी देखभाल और अत्याधुनिक अनुसंधान के क्षेत्रों में संस्थान की प्रगति पर एक व्यापक प्रस्तुति दी। बैठक में संस्थान के संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया। चंद्रा ने संस्थान के अधिकारियों, स्वास्थ्य पेशेवरों और परियोजना प्रबंधकों (एचआईटीईएस और एनसीसी) सहित प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर चल रहे कार्यों और पहलों की स्थिति का आकलन किया और क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा वितरण को बढ़ाने के लिए भविष्य की रणनीति तैयार की।

नैप्रोड लाइफ साइंसेज ने पालघर सुविधा के लिए अपने ईयू-जीएमपी प्रमाणन के सफल नवीनीकरण की घोषणा की

मुंबईः नैप्रोड लाइफ साइंसेज (नैप्रोड) ने पालघर में अपनी विनिर्माण सुविधा के लिए यूरोपीय संघ के सामान विनिर्माण प्रथाओं (ईयू-जीएमपी) प्रमाणन के सफल नवीनीकरण की घोषणा की। दिसंबर 2023 में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी एंड न्यूट्रिशन (OGYEI), हंगरी द्वारा ऑडिट किया गया था । यह सुविधा ऑन्कोलॉजी, एनेस्थेटिक्स और अन्य थेरेपी सेगमेंट पर विशेष ध्यान देने के साथ कई तरह के फॉर्मूलेशन, लिक्विड और लियोफिलाइज्ड इंजेक्टेबल उत्पाद बनाती है। इस विकास पर बोलते हुए, नैप्रोड लाइफ साइंसेज के प्रबंध निदेशक मोहन जैन ने कहा, हम दुनिया भर में अपने ग्राहकों और रोगियों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद प्रदान करने और अनुपालन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ईयू -जीएमपी प्रमाणन पालघर सुविधा की यूरोपीय संघ के गुणवत्ता मानकों के अनुसार लगातार और नियंत्रित उत्पादन सुनिश्चित करने की क्षमताओं को उजागर करता है। यह सुविधा ऑन्कोलॉजी, एनेस्थेटिक्स और अन्य थेरेपी सेगमेंट पर विशेष ध्यान देने के साथ कई तरह के फॉर्मूलेशन, लिक्विड और लाइओफिलाइज्ड इंजेक्टेबल उत्पाद बनाती है।

जेपी हॉस्पिटल में दवाई घोटाले का पर्दाफाश

भोपाल (मध्य प्रदेश)। जेपी हॉस्पिटल में दवाई घोटाले का पर्दाफाश हुआ है। जांच में पता चला कि घोटाले के तहत खरीदी गई दवाइयां मरीजों को नहीं दी गई। इनको स्टोर रूम में एक्सपायर हो जाने के लिए छोड़ दिया गया। एक्सपायर होने पर उन्हें नष्ट किया जाने लगा, तब इसका खुलासा हुआ। दरअसल एक पत्रकार इस पूरी प्रक्रिया का वीडियो बना रहा था। उसे जिला अस्पताल वालों ने बंधक बना लिया। अस्पताल में स्टोर के कर्मचारी जब दवाएं नष्ट कर रहे थे, तभी कुछ लोगों ने इसका वीडियो बनाया। ऐसे में स्टाफ भड़क गया। वीडियो बना रहे एक युवक को स्टोर के शैतान सिंह नामक कर्मचारी ने धक्का देकर कमरे में ताला लगा दिया। बंधक बनाए गए युवक ने डायल-100 को फोन कर दिया। पुलिस ने मौके पर आकर युवक को छुड़ाया। पत्रकारों ने स्टोर रूम के अंदर जाकर देखा तो यहां कई दवाएं एक्सपायर्ड मिलीं। बड़ी संख्या में ग्लूकोज की बोतलें (डीएनएस, एसएन, डेक्सट्रोज) खाली पड़ी थीं। स्टोर रूम के अंदर से ही तमाम सिरप बहाए गए थे। कुछ टेबलेट भी डस्टबिन और पानी में फेंकी गई थीं। यहां तक कि जिंक सल्फेट की सिरप और अन्य टैबलेट भी बड़ी संख्या में एक्सपायर मिली।

मई एवं जून माह के व्रत एवं त्यौहार

10.05.2024	श्री परशुराम जयंती
13.05.2024	एकता दिवस
15.05.2024	विश्व परिवार दिवस
19.05.2024	मोहिनी एकादशी व्रत
23.05.2024	बुद्धपूर्णिमा
26.05.2024	गणेश चतुर्थीव्रत
31.05.2024	तम्बाकू निषेध दिवस
05.06.2024	पर्यावरण दिवस
09.06.2024	महाराणा प्रताप जयंती

औषधि निरीक्षक ने मेडिकल स्टोर का किया औचक निरीक्षण

जनपद के औषधि निरीक्षक शैलेंद्र प्रताप सिंह द्वारा अनंत फार्मा सद्दरपुर टांडा, सुधीर मेडिकल स्टोर अरिया बाजार, चौधरी मेडिकल स्टोर सद्दरपुर टांडा, अमर मेडिकल स्टोर औरंगनगर पहितीपुर बाजार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान औषधि विक्रय लाइसेंस व औषधियों के क्रय-विक्रय अभिलेखों की जांच की गई। मौके पर औषधियों के रख रखाव की भी जांच की गई, एवम निर्देशित किया गया की बिना डाक्टर के पर्चे के कोई भी औषधि विक्रय न करें, जांच के दौरान जो भी कमियां पाई गई तीन दिन के अंदर ठीक करने का निर्देश दिया गया साथ ही यह भी निर्देशित किया गया की कोई भी औषधि बिना बिल के क्रय व विक्रय न किया जाए, एवम प्रतिष्ठान में अंदर व बाहर कैमरे अवश्य लगे होने चाहिए। निरीक्षण के दौरान अनंत फार्मा सद्दरपुर से 3 एवम अमर मेडिकल स्टोर औरंगनगर से 3 संदिग्ध औषधियों का नमूना संकलित किया गया। कुल 06 नमूनों को जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा गया।

राम रतन
मो० न० 9235045001

दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में मरीजों के इलाज के लिए पहली हीट स्ट्रोक यूनिट तैयार

नई दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ती गर्मी के बीच राम मनोहर लोहिया अस्पताल में मरीजों के इलाज के लिए दिल्ली की पहली हीट स्ट्रोक यूनिट तैयार हो गई। इस हीट स्ट्रोक यूनिट का उद्घाटन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव रोली सिंह ने किया। उन्होने कहा, आरएमएल ने हीट स्ट्रोक मैनेजमेंट यूनिट शुरू करने की यह अच्छी पहल की है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को इस यूनिट के बारे में जानकारी देना और इन सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करना है। मंत्रालय ने हीट स्ट्रोक प्रबंधन के बारे में भी एक एडवाइजरी जारी की है। मंत्रालय की ओर से यह एडवाइजरी हर राज्य को दी गई है। रोली सिंह ने आगे बताया कि हीट स्ट्रोक प्रबंधन पर एडवाइजरी हर अस्पताल को भेजी गई है, जिसमें हीट स्ट्रोक के मरीजों के प्रबंधन के तरीके, उनकी जरूरतें और किन बातों का ध्यान रखना है, इस बारे में जानकारी दी गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए अस्पतालों में आइस पैक, ग्लूकोज और ओआरएस जैसी चीजों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, वैसे-वैसे गर्मी से जुड़ी आपात स्थितियों से लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा का महत्व भी बढ़ता जाता है। हीट स्ट्रोक यूनिट हमारे नागरिकों की भलाई सुनिश्चित करने की हमारी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम है। डॉ. प्रोफेसर अजय शुक्ला ने कहा, अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक से लैस और उच्च प्रशिक्षित पेशेवरों की एक टीम द्वारा संचालित, हीट स्ट्रोक यूनिट गर्मी से संबंधित बीमारियों से प्रभावित लोगों को तत्काल और विशेष देखभाल प्रदान करने के लिए तैयार है।

लाइसेंस सस्पेंड फिर भी चलाया जा रहा अस्पताल

बागपत: लाइसेंस सस्पेंड होने पर भी बड़ौत में अस्पताल का संचालन किया जा रहा था। मामला संज्ञान में आने पर स्वास्थ्य विभाग ने संबंधित अस्पताल को नोटिस सौंप दिया है। अस्पताल को तत्काल बंद करने को कहा गया है। प्राइवेट अस्पतालों के लिए स्वास्थ्य विभाग में नियुक्त नोडल अधिकारी डिप्टी सीएमओ डॉ यशवीर सिंह ने बताया कि बड़ौत के जगवती अस्पताल के खिलाफ शिकायत मिली थी। इस पर जिलाधिकारी ने चार सदस्यीय टीम का गठन कर जांच करने के निर्देश दिए थे। जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर तीन अप्रैल को जगवती अस्पताल का लाइसेंस सस्पेंड कर दिया था।

www.medicaldarpan.com

कोलकाता मे अस्पताल ने नवीनतम वैश्विक तकनीक के साथ गंभीर अस्थमा क्लिनिक खोला

कोलकाता: विश्व अस्थमा दिवस पर कोलक. ाता में वैश्विक मानकों के अनुरूप विश्व स्तरीय अस्थमा उपचार प्रदान करने के लिए एक गंभीर अस्थमा क्लिनिक खोला गया। सीके बिड़ला अस्पताल की एक इकाई, कलकत्ता मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (CMRI) में खोला गया क्लिनिक अस्थमा, फेफड़ों के विकारों और गंभीर अस्थमा के मामलों के शुरुआती चरणों का पता लगाने के लिए नवीनतम वैश्विक तकनीक का उपयोग करेगा। गंभीर अस्थमा को नियंत्रित करना मुश्किल है और अक्सर आपातकालीन देखभाल और अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता होती है। मरीजों को सांस लेने में रोजाना संघर्ष का सामना करना पड़ता है, जिससे जीवन की गुणवत्ता कम हो जाती है और स्वास्थ्य देखभाल की लागत काफी बढ़ जाती है।

गंभीर अस्थमा क्लिनिक की स्थापना इन रोगियों के लिए समर्पित स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों की एक टीम से व्यापक देखभाल प्राप्त करने के लिए एक केंद्रीकृत केंद्र के रूप में काम करेगी, पल्मोनोलॉजी सलाहकार डॉ ब्यूटी बिस्वास ने कहा। गंभीर अस्थमा क्लिनिक से ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ अस्थमा (GINA) दिशा-निर्देशों के अनुसार चरणबद्ध अस्थमा प्रबंधन योजनां पेश करने की अपेक्षा की जाती है, जिसमें व्यक्तिगत देखभाल योजनाएं शामिल हैं, जो श्वसन नर्स द्वारा प्रशासन के दौरान नजदीकी निगरानी के साथ बायोलॉजिक्स जैसी उन्नत चिकित्सा प्रदान करती हैं और उनके अस्थमा को अधिक कुशलता से प्रबंधित करने के लिए निरंतर सहायता प्रदान करती हैं। क्लिनिक में, इनहेलर तकनीकों पर उचित प्रशिक्षण दिया जाएगा, उन्नत स्लीप लैब के माध्यम से ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया (वै।) जैसी सह-रुग्णताओं की पहचान, HRCT स्कैन और सीरोलॉजिकल मार्करों के माध्यम से ब्रोन्किइक्टेसिस और ABPA, स्किन प्रिक टेस्ट द्वारा एटोपिक स्थिति की पहचान, उन्नत फेफड़े के कार्य प्रयोगशाला के माध्यम से अस्थमा की गंभीरता की पुनः पुष्टि, आहार संबंधी सलाह, मनोवैज्ञानिक परामर्श और प्रत्येक यात्रा के साथ उपचारों के अनुपालन की जाँच की जाएगी। वायु प्रदूषण न केवल अस्थमा का कारण बनता है, बल्कि अस्थमा के लक्षणों को भी बढ़ाता है क्योंकि विभिन्न प्रदूषक अस्थमा की प्रवृत्ति को बढ़ाने के लिए कई तरीके अपनाते हैं। क्योंकि प्रदूषित हवा हानिक. ारक तत्वों का मिश्रण है, इसलिए इन तत्वों के संयोजन का व्यक्ति के फेफड़ों पर कई गुना अधिक प्रभाव पड़ता है। अगर किसी को फेफड़ों पर प्रत्येक प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों के बारे में जानकारी है, तो वह फेफड़ों में होने वाले रोग संबंधी परिवर्तनों के लिए वायु प्रदूषण को सीधे जिम्मेदार ठहराने के लिए नैदानिक तरीके तैयार कर सकता है। क्योंकि हमारे पास वर्तमान में ऐसी सुविधाएं नहीं हैं, इसलिए हम मानव शरीर पर प्रदूषण के प्रभाव को चिकित्सकीय रूप से नहीं माप सकते हैं और इसलिए, हमें केवल महामारी विज्ञान संबंधी अध्ययनों पर ही बहुत अधिक निर्भर रहना पड़ता है।

अंग प्रत्यारोपण मामले मे एसएमएस के दो डॉक्टरों ने इस्तीफा दिया

जयपुर: ऑर्गन ट्रांसप्लांट फर्जी एनओसी मामले की जांच रिपोर्ट जारी होने के बाद राज्य सरकार ने सवाई मान सिंह मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजीव बगरहट् टा और एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। दोनों ने ही दिन में स्वेच्छा से इस्तीफा दे दिया था। डॉ. सुधीर भंडारी को स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (एसओटीटीओ) के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया है। राज्य सरकार जांच रिपोर्ट राजभवन को भेजेगी। सूत्रों ने बताया कि रिपोर्ट के निष्कर्षों के आधार पर डॉ. भंडारी को राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति पद से हटाने की सिफारिश की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

इससे पहले मामले की जांच कर रही एक उच्च स्तरीय समिति ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. अचल शर्मा और कंट्रोलर डॉ. सुधीर भंडारी तथा एसओटीटीओ के संयुक्त निदेशक डॉ. अमरजीत मेहता को नोटिस जारी किया था। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान की अध्यक्षता वाली समिति ने नोटिस में डॉ. भंडारी से मेडिकल कॉलेज में उनके कार्यकाल के दौरान अंगदान के लिए राज्य स्तरीय प्राधिकरण समिति की बैठकों, बैठकों में लिए गए निर्णयों और जारी किए गए एनओसी के बारे में जानकारी मांगी है। नोटिस में डॉ. भंडारी से यह भी पूछा गया है कि प्रिंसिपल के पद से सेवा. निवृत्त होने के बाद भी उन्होंने एसओटीटीओ के अध्यक्ष के रूप में पत्राचार कैसे जारी रखा।

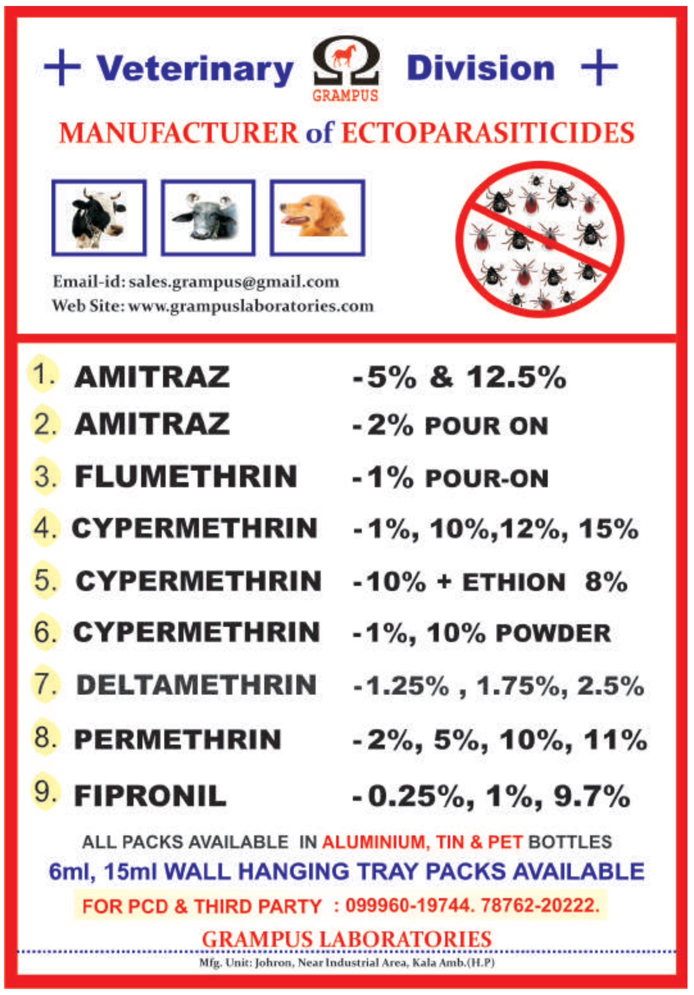

मेडिकल स्टोर पर कोड वर्ड से बिक रहीं प्रतिबंधित नशीली दवाइयां

कुरुक्षेत्र (हरियाणा): मेडिकल स्टोर संचालक कोड वर्ड के आधार पर प्रतिबंधित नशीली दवाइयां धड़ल्ले से बेच रहे हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम की जांच में सामने आया कि प्रतिबंधित दवाइयां बिना डाक्टरी पर्चे के बेची जा रही हैं। दवा दुकानदार नीले और काले पत्ते की दवाई कोड वर्ड बताने पर तुरंत ये दवा उपलब्ध करा देते हैं। बता दें कि शामली, कांधला और थानाभवन क्षेत्र में कुछ मेडिकल स्टोर संचालकों के यहां पर प्रतिबंधित गोलियों की खरीदारी करने वालों की लाइन लगती है। हालांकि, नशीली दवाएं पुराने खरीदारों को ही दी जाती है। ड्रग इंस्पेक्टर निधि पांडेय के अनुसार उन्होंने शामली में एक मेडिकल स्टोर पर छापामारी की। मौके से नशे में इस्तेमाल की जाने वाली करीब 500 गोलियां बरामद की गई। दवा दुकानदार से जब दवाओं की खरीद व बिक्री का रिकार्ड मांगा गया तो वह इसे नहीं दिखा पाया। इस पर दवाओं के सैंपल लेकर लखनऊ प्रयोगशाला में भेजे गए हैं। संबंधित मेडिकल स्टोर संचालक के खिलाफ औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत लाइसेंस कैंसिल की कार्रवाई की जाएगी। औषधि निरीक्षक ने बताया कि बिडौली में गुल्लू के मेडिकल स्टोर पर छापामारी की गई थी।

ओसीडी उत्तर प्रदेश की मीटिंग नेपाल के लुंबिनी में आयोजित की गई

Aiocd की उत्तर मध्य क्षेत्र बैठक लुम्बनी नेपाल अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री जे.एस. शिंदे, महासचिव श्री राजीव सिंघल, ओसीडीयूपी अध्यक्ष श्री दिवाकर सिंह, महासचिव श्री सुधीर अग्रवाल, केमिस्ट एंड डगिस्ट एसोसिएशन फर्रुखाबाद के अध्यक्ष रवि शंकर चौहान, महासचिव मनोज मिश्रा, शिवम रस्तोगी, सचिव मोहित चौहान।

मनोज मिश्रा, mob. 9919247731

दीपक शर्मा को मैडिकल दर्पण ने दी बधाई

फार्मा ट्रेडर्स एसोसिएशन रामपुर के जिला अध्यक्ष 'दीपक शर्मा को ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट (OCDUP)उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद रीजन' (मुरादाबाद बिजनौर संभल अमरोहा रामपुर) का रीजन अध्यक्ष मनोनीत होने पर बहुत बहुत शुभ कामनाएं व हार्दिक बधाई।

बैठक

ओसीडी उत्तर प्रदेश की मीटिंग 2 मई से लेकर 4 मई तक नेपाल में लुंबिनी में आयोजित हुई थी। जिसमें मेरठ के पदाधिकारी इंद्रपाल सिंह, राजेश सिंह, गगन गुप्ता तथा घनश्याम मित्तल उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश की मीटिंग में व्यापारियों को आने वाली समस्याओं के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। तथा उत्तर प्रदेश के संगठन का भी चुनाव हुआ। यह बताते हुए बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि होलसेलर और रिटेलर केमिस्ट एसोसिएशन के महामंत्री श्री घनश्याम मित्तल को अपने क्षेत्र का भी महामंत्री उत्तर प्रदेश की संस्था द्वारा चुना गया। अब उनके क्षेत्र में आगरा, मेरठ और सहारनपुर मंडल रहेंगे। जिसमें करीब 13 जिले शामिल हैं अब हम और ताकत के साथ दवा व्यापारियों की समस्या का समाधान कर सकेंगे। इसमें मेरठ के दवा व्यापारियों व पदाधिकारी का भी सहयोग रहा।

राजेश अग्रवाल (कोषाध्यक्ष) होलसेलर एंड रिटेलर केमिस्ट एसोसिएशन, मेरठ
नीतिका अग्रवाल मो० न० 8979107461

कार्डिनल हेल्थ ने महंगी विशेष दवाओं की मांग के आधार पर 2024 के लाभ का अनुमान बढ़ाया

लंदन: कार्डिनल हेल्थ ने अपने वार्षिक लाभ पूर्वानुमान को बढ़ा दिया, कैंसर जैसी जटिल स्थितियों के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली महंगी विशेष दवाओं को बेचने वाली अपनी दवा इकाई की मजबूती पर दांव लगाया । प्रतिद्वंद्वी सेनकोरा सहित दवा वितरकों को विशेष दवाओं की बढ़ती बिक्री से लाभ हो रहा है, ऐसे समय में जब जेनेरिक या कॉपीकैट संस्करणों की कीमतें तीव्र प्रतिस्पर्धा के कारण गिर रही हैं। और साथ ही कार्डिनल हेल्थ ने पिछले महीने कहा था कि यूनाइटेडहेल्थ ग्रुप के ऑप्टमआरएक्स के साथ उसके अनुबंध, जो उसके सबसे बड़े ग्राहकों में से एक है, जून के समाप्त होने के बाद नवीनीकृत नहीं किया जाएंगे।

> **2023**
> **वित्तीय वर्ष में कार्डिनल के कुल राजस्व में 16 प्रतिशत का योगदान दिया**

कार्डिनल को अब 2024 के समायोजित आय की उम्मीद +7.30 से +7.40 प्रति शेयर की सीमा में है, जबकि पहले +7.20 से +7.35 प्रति शेयर का पूर्वानुमान लगाया गया था। LSEG डेटा के अनुसार, विश्लेषकों को प्रति शेयर +7.28 का वार्षिक लाभ होने की उम्मीद थी। कंपनी ने 2025 के समायोजित लाभ के लिए अपने प्रारंभिक दृष्टिकोण की भी घोषणा की, जिसमें प्रति शेयर कम से कम +7.50 की उम्मीद है, जबकि अनुमान +7.87 था। कार्डिनल अपने राजस्व का एक बड़ा हिस्सा फार्मास्युटिकल और स्पेशियलिटी सॉल्यूशन यूनिट से प्राप्त करता है, जिसके माध्यम से यह ब्रांडेड और जेनेरिक दवाओं , स्पेशियलिटी दवाओं और ओवर-द-काउंटर हेल्थकेयर और उपभोक्ता उत्पादों का वितरण करता है। 31 मार्च को समाप्त तीसरी तिमाही में यूनिट ने +50.7 बिलियन का राजस्व अर्जित किया, जो साल-दर-साल 9 प्रतिशत अधिक है।

कुल बिक्री +54.91 बिलियन रही, जो विश्लेषकों के +56.06 बिलियन के अनुमान से कम है। कार्डिनल हेल्थ ने पिछले महीने कहा था कि यूनाइटेडहेल्थ ग्रुप के ऑप्टमआरएक्स के साथ उसके अनुबंध, जो उसके सबसे बड़े ग्राहकों में से एक है, जून के अंत में समाप्त होने के बाद नवीनीकृत नहीं किए जाएंगे। कंपनी के अनुसार, 2015 में हस्ताक्षरित ऑप्टम अनुबंधों ने वित्तीय वर्ष 2023 में कार्डिनल के कुल राजस्व में 16 प्रतिशत का योगदान दिया, लेकिन शिपमेंट का बड़ा हिस्सा मुख्य रूप से गैर-विशेषता वाली दवाओं से बना था।

मैवा फार्मा ने मॉर्गन स्टेनली पीई और इंडिया लाइफ साइंसेज फंड से 1,000 करोड़ रुपये जुटाए

नई दिल्ली: मैवा फार्मा ने कहा कि उसने मॉर्गन स्टेनली प्राइवेट इक्विटी एशिया और इंडिया लाइफ साइंसेज फंड से 1,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बेंगलुरु स्थित प्योर प्ले इंजेक्टेबल्स कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑर्गनाइजेशन ने कहा कि इस लेन-देन में प्राथमिक और द्वितीयक दोनों तरह की फंडिंग शामिल है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि दोनों निवेशकों ने संयुक्त रूप से मौजूदा निवेशकों से एक नियंत्रित हिस्सेदारी हासिल की है और कंपनी में प्राथमिक पूंजी भी डाली है। यह मैवा का पहला निजी इक्विटी फंडरेज है और आय का उपयोग कर्नाटक के होसुर के पास एक नई विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए किया जाएगा, जिसमें पहले से भरे हुए सिरिंज, बैग, ऑन्कोलॉजी और हार्मोनल इंजेक्टेबल्स सहित बांझ खुराक के रूपों में क्षमताएं होंगी। होसुर में इसकी एक सुविधा पहले से ही है जिसे USFDA और अन्य विनियामकों द्वारा अनुमोदित किया गया है जो शीशियों का निर्माण करते हैं। इसके प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी भास्कर कृष्ण ने कहा, इस धन उगाहने का उपयोग अधिक शीशी, लाइओफिलाइजेशन और निलंबन क्षमता को जोड़ने और प्रीफिल्ड सिरिंज, कार्ट्रिज और बैग जैसी नई विनिर्माण क्षमताओं को पेश करने के लिए किया जाएगा। एशिया के प्रबंध निदेशक और सह-प्रमुख नीरव मेहता ने कहा कि इंजेक्टेबल्स सीडीएमओ बाजार मजबूत विकास के लिए तैयार है। जटिल इंजेक्टेबल्स विकास और विनिर्माण क्षमता, मजबूत अनुपालन और विनियामक मानक, पारदर्शिता और नेतृत्व के साथ, मैवा को अपने प्रतिद्वंद्वियों से अलग करते हैं, सुमित गुप्ता, इनवेसेंट के प्रबंध निदेशक, जो इंडिया लाइफ साइंसेज फंड IV के निवेश प्रबंधक के रूप में कार्य करते हैं।

ब्रजेश कुमार गर्ग स्वामी की ओर से ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा प्रकाशित, ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा मुद्रित तथा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एण्ड पैकिंग लिमिटेड नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में मुद्रित एवं बी.एन.मैडीकल कॉम्प्लैक्स, बुलन्दशहर से प्रकाशित सम्पादक- ब्रजेश कुमार गर्ग.